सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 61, नई दिल्ली । सोमवार, 13 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।

03 दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहेंगे केजरीवाल, देशभर में करेंगे I.N.D.I.A. के लिए प्रचार

06 जटिल परिस्थितियों और ताकतों से उभरते हैं नेता

08 स्कूलों, हॉस्पिटल के साथ अब एयरपोर्टों को भी आने लगी बम से उड़ाने की धमकी

क्या दिल्ली परिवहन निगम ने संविदा कर्मचारियों को परेशान करने और झूठी रिपोर्ट तैयार करने के लिए लगाया है या... ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम में संविदा कर्मचारियों द्वारा अपने आला अधिकारियों और दिल्ली परिवहन मंत्री का ध्यान बस स्टैंड पर तैनात किए गए हैं कर्मचारियों द्वारा संविदा कर्मचारियों को परेशान किए जाने की और करवाया।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा कर्मचारी जो बस स्टैंड पर तैनात किए गए हैं वह अपना काम जिम्मेदारी से निभाने की जगह संविदा कर्मचारी को झूठी रिपोर्ट तैयार करने की धमकी देते पाए जा रहे हैं। दिनांक 10/5/2024 को समय 11:15 आईटीओ के स्टैंड पर इसी तरह का दृश्य देखने को मिला जहां बस स्टेंड पर ड्यूटी कर्मचारी बस लेन को खाली रखवाने और स्टैंड पर सवारी को उतरने चढ़ने में कोई समस्या ना हो की जगह अपनी ड्यूटी के दौरान लापरवाही के साथ मस्ती कर रहे थे इनको पूछने पर उनका जवाब मिला आपकों क्या और आप कोन ? यह खुले आम डीटीसी ड्राईवर और कंडक्टर को धमकी देते हुए जांच में मिल जाएंगे कि मैं तेरी रिपोर्ट बनवा दूंगा। **क्या परिवहन निगम के आला अधिकारी का एक तीर से दो निशाने लगाने का प्रयोग हैं यह ?** पहला जनता से सहानुभूति की डीटीसी उनकी सुरक्षा के लिए कितना प्रयास कर रहा है और दूसरा सविदा कर्मचारी पर सच्ची झूठी रिर्पोट तैयार करवा कर उन्हे बाहर का रास्ता दिखाने की अंदरूनी प्रक्रिया।

जन जागरूकता की और एक प्रयास जगमोहन सिंह, ओमनी फाउंडेशन

सभी भारतवासी यह जान लें, "जब भी आप अपने वाहन से कहीं भ्रमण करने जाते है तो आपकों रास्ते में कई ऐसे यातायात पुलिस/आरटीओ कर्मचारी मिल जाते है जो आपके वाहन को रुकवा कर चालान करने पर आमदा रहते हैं। अगर गलती है तब तो उनका चालान करना बनता है पर वह तो बिना गलती के भी आपके वाहन का चालान काट देते हैं। ऐसा ही हादसा 3 दिन पहले मेरे साथ घटा। मै उत्तराखंड मंसूरी जा रहा था और यातायात पुलिस अधिकारी ने मेरा वाहन रुकवा लिया और बोला चालान कटेगा क्योंकि आप बिना आज्ञा के वाहन की छत पर सामान बांध कर चल रहे हैं। मैने उस आधिकारी से नर्म बोली में कहा अगर यह गलती है तो आप अवश्य चालान काटे पर चालान काटने से पहले कृप्या करके इस गलती के लिए कोन सी धारा में चालान काट रहे हैं उससे अवगत करा दीजिए, आप विश्वाश मानिए उस अधिकारी ने मोटर वाहन की धारा बताने की जगह मेरे को बिना चालान काटे जाने के लिए बोल दिया। यह जानकारी मै आपसे इसी लिए साझा कर रहा हूं की आप भी मोटर वाहन नियम/धाराओं को जाने और बिना गलती से होने वाले चालान से बचे।

जगमोहन सिंह, ओमनी फाउंडेशन

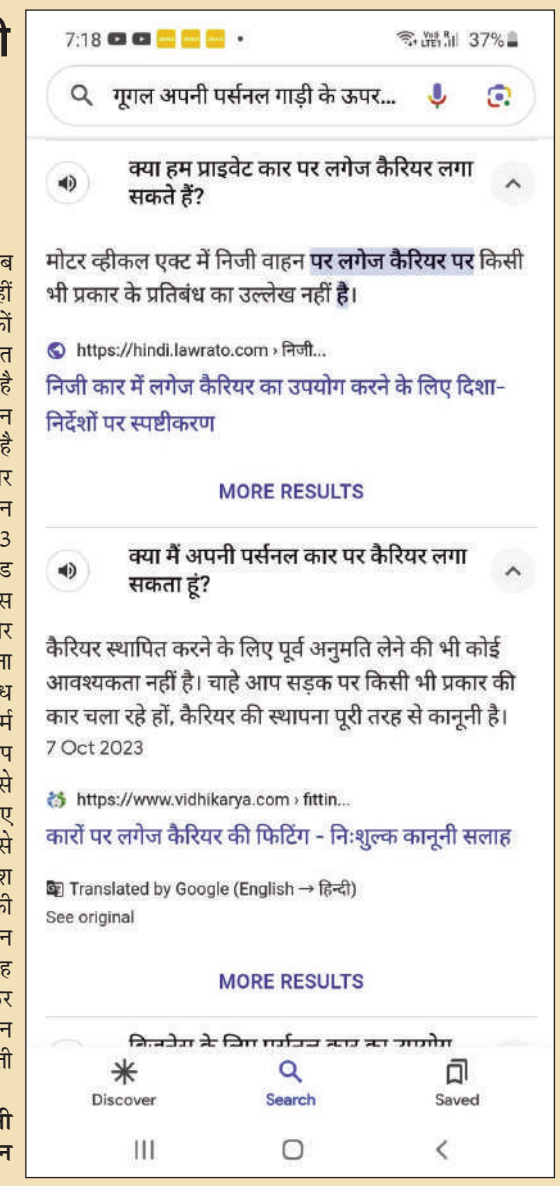

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : याद रखें, आपका ड्राइविंग कौशल आपकी मानवता को दर्शाता है : शिक्षा और सम्मान का प्रतिबिंब

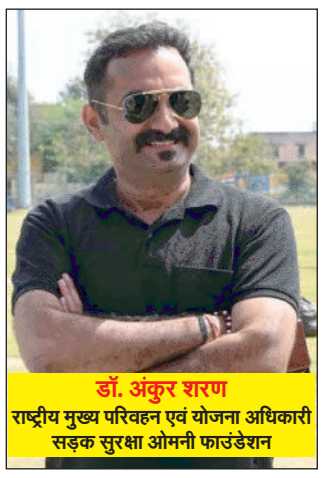

डॉ. अंकुर शरण
राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी
सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन

ड्राइविंग केवल परिवहन के साधन से कहीं अधिक है; यह हमारी मानवता का प्रतिबिंब है। हम सड़क पर कैसा व्यवहार करते हैं, यह हमारे मूल्यों, शिक्षा और दूसरों के प्रति सम्मान के बारे में बहुत कुछ बताता है। दैनिक जीवन की भागदौड़ में, यह भूलना आसान है कि हमारी ड्राइविंग आदतों का हमारे आस-पास के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है। फिर भी, हर बार जब हम गाड़ी चलाते हैं, तो हमारे पास सहानुभूति, धैर्य और जिम्मेदारी प्रदर्शित करने का अवसर होता है।

शिक्षा, औपचारिक और अनौपचारिक दोनों, सड़क पर हमारे व्यवहार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ड्राइवर की शिक्षा कक्षाओं से लेकर परिवार के सदस्यों से प्राप्त पाठों तक, हम यातायात कानूनों, सुरक्षा नियमों और विनम्र ड्राइविंग प्रथाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं। हालाँकि, शिक्षा नियमों को जानने से परे है; इसमें दूसरों के लिए सहानुभूति और विचार के महत्व को समझना शामिल है।

साथी ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों का सम्मान जिम्मेदार ड्राइविंग के मूल में है। इसका मतलब है रास्ते का अधिकार देना, टर्न सिग्नल का उपयोग करना और गति सीमाओं का पालन करना, सिर्फ इसलिए नहीं कि वे अनिवार्य हैं, बल्कि इसलिए कि हम प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा और भलाई के मूल्य को पहचानते हैं। जब हम सड़क पर दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, तो हम आपसी विचार-विमर्श की संस्कृति बनाते हैं जिससे सभी को लाभ होता है।

धैर्य एक और गुण है जो सड़क पर हमारी मानवता को परिभाषित करता है। यातायात की भीड़, सड़क निर्माण और अप्रत्याशित देरी ड्राइविंग के अपरिहार्य भाग हैं। हम इन चुनौतियों का कैसे जवाब देते हैं, इससे हमारे चरित्र का पता चलता है। धैर्य का अर्थ है आक्रामक युद्धाभ्यास से बचना, जैसे कि अन्य ड्राइवरों को पीछे छोड़ना या काटना, और इसके बजाय, सभी को सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए स्थान और समय की अनुमति देना।

इसके अलावा, सहानुभूति सड़क पर समझ और करुणा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह स्वीकार करना कि हर किसी की अपनी मंजिल, कार्यक्रम और चिंताएँ हैं, हमें अधिक सहिष्णु होने और गलतियों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। एक विनम्र व्यवहार, जैसे कि दूसरे ड्राइवर को ट्रैफ़िक में शामिल होने देना, बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है और दयालुता का प्रभाव पैदा कर सकता है।

अंततः, हमारी ड्राइविंग आदतें हमारी मानवता का प्रतिबिंब हैं। शिक्षा, सम्मान, धैर्य और सहानुभूति के सिद्धांतों को अपनाकर, हम सभी के लिए एक सुरक्षित, अधिक सामंजस्यपूर्ण ड्राइविंग वातावरण में योगदान करते हैं। हर बार जब हम कमर कसते हैं और अपना इंजन चालू करते हैं, तो आइए याद रखें कि हम केवल वाहन नहीं चला रहे हैं; हम अपने मूल्यों को व्यक्त कर रहे हैं और समाज के जिम्मेदार सदस्य होने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहे हैं। तो, आइए सड़क पर इंसान बनने का प्रयास करें, दूसरों के साथ उसी सम्मान और विचार के साथ व्यवहार करें जिसकी हम अपने लिए अपेक्षा करते हैं।

डॉ अंकुर शरण
सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ

गुरुग्राम में दर्दनाक सड़क हादसा, बस की जबरदस्त टक्कर से बाइक सवार आर्मी जवान की मौत

बिलासपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर चौक पर निजी बस की टक्कर से बाइक सवार फौजी की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटा अपने पिता को छुट्टी खत्म होने के बाद बिलासपुर बस स्टैंड छोड़ने जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिलासपुर के गांव राठीवास निवासी 40 वर्षीय संजीत आर्मी में थे।

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर चौक पर निजी बस की टक्कर से बाइक सवार फौजी की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटा अपने पिता को छुट्टी खत्म होने के बाद बिलासपुर बस स्टैंड छोड़ने जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिलासपुर के गांव राठीवास निवासी 40 वर्षीय संजीत आर्मी में थे। वह एक महीने की छुट्टी के बाद गुरुवार रात वापस ड्यूटी पर जा रहे थे। उनके बेटे विशांत बाइक से उन्हें बिलासपुर बस स्टैंड छोड़ने जा रहे थे।

बाइक खुद संजीत चला रहे थे : बाइक संजीत चला रहे थे। बिलासपुर चौक पर जैसे ही उनकी बाइक हाईवे पर आई, उसी दौरान जयपुर की तरफ से आई निजी बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां डाक्टरों ने संजीत को मृत घोषित कर दिया। विशांत को प्राथमिक इलाज के बाद दिल्ली के निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं हादसे के बाद चालक बस समेत मौके से फरार हो गया। गांव राठीवास निवासी कपूर सिंह ने मामले में थाने में शिकायत दी है।

पर्यावरण पाठशाला : फ़रीदाबाद में श्री गोपाल गौशाला : उत्तर भारत की सबसे खूबसूरत गौशालाओं में से एक के रूप में स्थापित : अंकुर

फ़रीदाबाद के हलचल भरे शहर के बीच आत्मा और इंद्रियों दोनों के लिए एक शांत अभयारण्य है - श्री गोपाल गौशाला। उत्तर भारत की सबसे खूबसूरत गौशालाओं में से एक के रूप में स्थापित, यह आश्रय स्थल व्यक्तियों और परिवारों को प्रकृति के साथ संवर्धन और जुड़ाव की यात्रा पर जाने के लिए प्रेरित करता है।

जैसे ही रविवार की सुबह सूरज उगता है, परिवार एक ऐसे गहन अनुभव के लिए श्री गोपाल गौशाला में इकट्ठा होते हैं, जो किसी अन्य से अलग नहीं है। 1400 से अधिक गायों, खरगोशों, बत्तखों और मछलियों के साथ, आगंतुकों का स्वागत दृश्यों और ध्वनियों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से होता है, जो उन्हें इस अभयारण्य के आश्चर्यों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करता है।

आध्यात्मिक यात्रा सुबह 8:30 बजे शुरू होने वाले यज्ञ समारोह से शुरू होती है, जो प्रतिभागियों को शांत वातावरण के बीच शांति और प्रतिबिंब का क्षण प्रदान करती है। रिदमशाला , बंसीवाला की मधुर लय में व्यस्त रहें, जहां प्रसिद्ध कलाकार भावपूर्ण धुनों से हवा में जोश भर देते हैं, जिससे शुद्ध आनंद का माहौल बनता है।

जो लोग अधिक व्यावहारिक अनुभव चाहते हैं, वे संगीत वाद्ययंत्र बजाने वाले समुदाय Rhythmshala का हिस्सा बनें और छोटे बगीचे में अपने भीतर के कलाकार को उजागर करें। जब आप सृजन की उपचारात्मक कला में डूब जाते हैं, तो प्रकृति और आध्यात्मिकता के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देते हुए मछलियों को खाना खिलाएं।

श्री गोपाल गौशाला में, वास्तव में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है - शांति और गतिविधि का एक आदर्श सामंजस्य, जहां सभी उम्र के व्यक्ति सांत्वना और खुशी पा सकते हैं। अपने आप से, अपने प्रियजनों से और अपने आस-पास की प्राकृतिक दुनिया से दोबारा जुड़ने का अवसर न चूकें।

एक आनंदमय रविवार की सुबह के लिए फ़रीदाबाद में श्री गोपाल गौशाला में हमसे जुड़ें, और प्रकृति और आध्यात्मिकता के जादू को जीवंत अनुभव करें। वहाँ मिलते हैं! *indiangreenbuddy@gmail.com*

हिंदू परंपरा में गौशाला और गायों की देखभाल करना धर्म का एक सर्वोत्कृष्ट पहलू माना जाता है...

हिंदू पौराणिक कथाओं और सनातन धर्म के हृदय में गाय के प्रति गहरी श्रद्धा निहित है, जो केवल आर्थिक या कृषि महत्व से ऊपर उठकर आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को समाहित करती है। यह श्रद्धा गौशाला संस्था में अपनी मूर्त अभिव्यक्ति पाती है - विशेष रूप से गायों की देखभाल और पोषण के लिए समर्पित आश्रय स्थल। गौशाला और गायों को चारा खिलाने का महत्व सांस्कृतिक, धार्मिक और दार्शनिक मान्यताओं की समृद्ध श्रृंखला से उपजा है, जो हिंदू धर्म के लोकाचार में गहराई से समाहित है।

हिंदू धर्म के मूल में धर्म की अवधारणा निहित है, एक धार्मिक कर्तव्य जो किसी व्यक्ति के आचरण को नियंत्रित करता है। गायों की देखभाल करना धर्म का एक सर्वोत्कृष्ट पहलू माना जाता है, जैसा कि वेदों और पुराणों जैसे प्राचीन ग्रंथों में बताया गया है। इन ग्रंथों में, गाय को 'कामधेनु' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है - इच्छा पूरी करने वाली दिव्य माँ, जो उर्वरता, प्रचुरता और पोषण का प्रतीक है। इसलिए, गायों की सेवा और रक्षा करना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है, बल्कि सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी को दिया गया एक पवित्र कर्तव्य है।

गौशाला का महत्व धार्मिक दायित्वों से परे है; यह हिंदू नैतिकता के केंद्र में 'अहिंसा' या अपरिग्रह के सिद्धांत का प्रतीक है। गायों के लिए अभयारण्य प्रदान करना नुकसान और शोषण से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जो सभी जीवित प्राणियों के प्रति दया के सिद्धांत को दर्शाता है। पर्यावरणीय क्षरण और पशु क्रूरता से त्रस्त दुनिया में, गौशालाएँ मनुष्यों, जानवरों और प्रकृति के बीच सद्भाव को बढ़ावा देते हुए करुणा और स्थिरता के प्रतीक के रूप में खड़ी हैं।

इसके अलावा, गायों को खाना खिलाने का कार्य हिंदू परंपरा में अत्यधिक आध्यात्मिक गुण रखता है। ऐसा माना जाता है कि गाय को भोजन देने से आशीर्वाद मिलता है और व्यक्ति की आत्मा शुद्ध होती है। यह अभ्यास 'कर्म योग' - निस्वार्थ कर्म का मार्ग - की अवधारणा में गहराई से निहित है। गायों को चारा खिलाकर, व्यक्ति बदले में कुछ भी अपेक्षा किए बिना सेवा के एक महान कार्य में संलग्न होते हैं, जिससे सकारात्मक कर्म प्राप्त होते हैं और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

इसके अलावा, गौशालाएँ देशी मवेशियों की नस्लों को संरक्षित करने, आनुवंशिक विविधता की रक्षा करने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। औद्योगिक खेती और आनुवंशिक संशोधन के प्रभुत्व वाले युग में, गौशालाएँ पारंपरिक नस्लों के लिए अभयारण्य के रूप में काम करती हैं, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनका अस्तित्व सुनिश्चित होता है। इन नस्लों की रक्षा करके, गौशालाएँ 'धार्मिक पारिस्थितिकी' के सिद्धांतों के अनुरूप सांस्कृतिक विरासत और जैव विविधता के संरक्षण में योगदान देती हैं।

संक्षेप में, गौशाला और गायों को खिलाने का महत्व धार्मिक हठधर्मिता से परे करुणा, स्थिरता और नैतिक प्रबंधन के सार्वभौमिक मूल्यों को शामिल करता है। ये संस्थाएं हिंदू नैतिकता के जीवंत अवतार के रूप में काम करती हैं, न केवल गायों का बल्कि समाज के नैतिक ढांचे का भी पोषण करती हैं। इस प्राचीन परंपरा के संरक्षक के रूप में, गौशालाओं की पवित्रता को बनाए रखना और हमारे जीवन में गायों की दिव्य उपस्थिति का सम्मान करना हमारा दायित्व है। क्योंकि उनकी कोमल दृष्टि में हमारी सामूहिक मानवता और सभी जीवित प्राणियों के बीच शाश्वत बंधन का प्रतिबिंब निहित है।

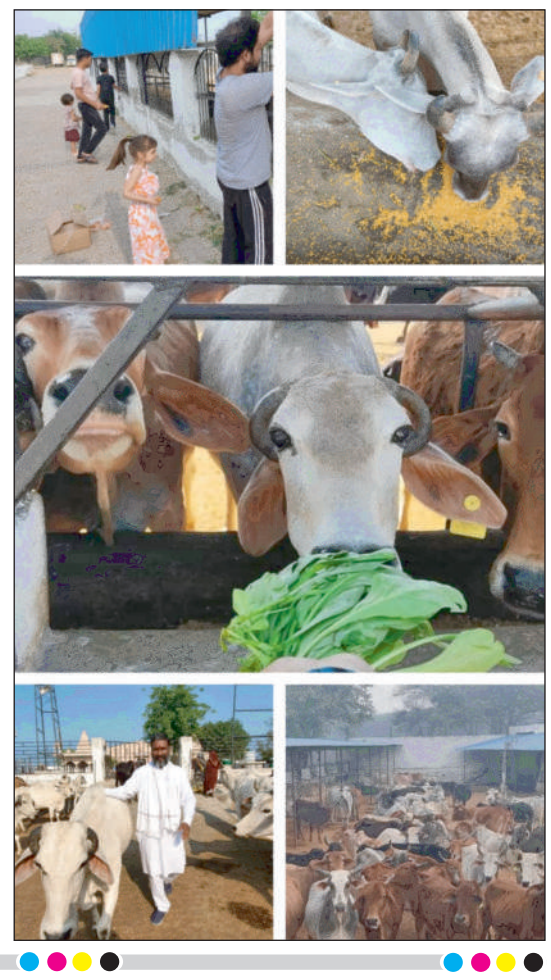

क्या यही है - भारत देश हमारा! अपने ही हो रहे अपनों के हाथों बलात्कार और हिंसा के शिकार

कभी अपने उच्च आदर्शों के लिए प्रसिद्ध भारत में आज कुछ लोग अपनी शर्मनाक करतूतों से मानवता को लज्जित कर रहे हैं।

कभी अपने उच्च आदर्शों के लिए प्रसिद्ध भारत में आज कुछ लोग अपनी शर्मनाक करतूतों से मानवता को लज्जित कर रहे हैं। ऐसे लोगों की नए साल के पहले 12 दिनों की करतूतों के उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं :

1 जनवरी को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के 'बेहाला' पुलिस थाने में तैनात एक सिपाही को अपनी पत्नी की अनुपस्थिति में 13 वर्षीय बेटी से बार-बार बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

1 जनवरी को ही मुम्बई (महाराष्ट्र) में 2 सगे भाइयों को अपनी 13 वर्षीय चचेरी बहन के साथ बार-बार बलात्कार करके उसे गर्भवती करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।

4 जनवरी को कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) में 13 वर्षीय 2 लड़कों ने अपनी पड़ोसी 8 वर्षीय बच्ची से गैंगरेप कर डाला।

6 जनवरी को मोगा (पंजाब) के गांव 'बहोना' में घरेलू विवाद के चलते गुस्साए पति ने 'कापे' से वार करके अपनी पत्नी को मार डाला।

6 जनवरी को अनूपपुर (मध्य प्रदेश) जिले के 'चचाई' थाना के अंतर्गत एक युवती ने पुलिस के पास अपने चचेरे भाई के विरुद्ध उसे कहीं छोडने जाते समय पहले बोलैरो गाड़ी में और फिर घर में उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

7 जनवरी को रणजीत नगर (नई दिल्ली) में पड़ोसी युवक ने एक पांच वर्षीय बच्ची को संतरे का लालच देकर उससे बलात्कार कर डाला।

7 जनवरी को ही गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के 'मुरादनगर' में 500 रुपए की उधारी न चुकाने पर एक युवक ने पेपर कटर से दूसरे युवक के गले पर वार करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

7 जनवरी को ही बेगूसराय (बिहार) में 'रील्स' बनाने से मना करने पर एक महिला ने अपने पति को मार डाला।

8 जनवरी को कानपुर (उत्तर प्रदेश) में पुराने विवाद के कारण एक सिपाही के बेटे ने एक युवक को बंधक बनाकर मारपीट करके बेहोश करने के बाद उसके मुंह पर पेशाब कर दिया।

9 जनवरी को पलवल (हरियाणा) के एक गांव में अलाव जलाने के लिए खेतों में लकड़ी लेने गए पति-पत्नी की किसी बात को लेकर बहस हो गई, जिस पर पति ने गुस्से में आकर पीट-पीट कर पत्नी की हत्या कर दी।

9 जनवरी को ही पूर्णिया (बिहार) के 'कलामबाग' में एक व्यक्ति ने पैतृक जायदाद के बंटवारे के विवाद में अपने पिता और भतीजे को मार डाला।

11 जनवरी को चिकाबलपुरा (कर्नाटक) के एक स्कूल के होस्टल में रहने वाली 9वीं क्लास की 14 वर्षीया छात्रा ने एक बच्चे को जन्म दिया।

11 जनवरी को ही नोएडा (उत्तर प्रदेश) में एक महिला अपने ही घर में चोरी करने के लिए पहले अपनी सास को बड़े प्यार से एक रेस्तरां में लेकर गई और उसके लिए खाने का आर्डर देकर वहां से चम्पत हो गई। घर पहुंच कर 3 लाख रुपए और गहने उड़ाने के बाद वह वापस आकर अपनी सास के पास बैठ कर मजे से भोजन करने लगी लेकिन घर वालों को जब चोरी का पता चला तो सी.सी.टी.वी. खंगालने पर वह पकड़ी गई।

11 जनवरी को ही वसंत कुंज नार्थ (नई दिल्ली) इलाके में विश्वनाथ राय नामक व्यक्ति को अवैध संबंधों के संदेह में अपनी पत्नी रेखा राय की पिटाई और फिर गला घोंट कर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

12 जनवरी को जयपुर (राजस्थान) में एक व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस ने अपनी 18 वर्षीया बेटी से बलात्कार करने और अपना कर्ज उतारने के लिए अपनी बेटी को अपने लेनदारों के हवाले करने के आरोप में केस दर्ज किया।

लड़की का आरोप है कि उसका पिता उसे जबरदस्ती शराब पिलाकर अपने लेनदारों के हवाले कर देता था। उनमें से कोई शराब पीकर और कोई अन्य नशे का सेवन करके उसके साथ बलात्कार करता। लड़की के अनुसार उसके साथ अब तक 15 लोगों ने बलात्कार किया है। उपरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि आज चंद नैतिकता से गिरे हुए लोग किस तरह अपनी ही संतानों से बलात्कार और उन पर हिंसा करके मानवता को लज्जित कर रहे हैं। अतः ऐसे लोगों को तुरंत एवं कठोरतम सजा दी जानी चाहिए, जिससे दूसरों को भी नसीहत मिले, ताकि वे इस तरह के जघन्य अपराध करने के बारे में सोच भी न सकें। -विजय कुमार

स्वर्ग से कम नहीं है लक्ष्यद्वीप यहां जानें रूट से लेकर फीस तक सबकुछ

इन दिनों इंटरनेट पर हर जगह लक्षद्वीप की खूबसूरती की ही चर्चा चल रही है। इसके पीछे की वजह है पीएम नरेंद्र मोदी जो कुछ दिन पहले ही लक्षद्वीप के दौरे पर थे। यहां पर न सिर्फ वो बीच बीच में टहलें बल्कि snorkeling भी की। उन्होंने अपने इस दौरे की फोटो इंटरनेट पर शेयर की जो तुरंत वायरल हो गई। इसके बाद से जो लोग घूमने के लिए विदेश ही बेहतर समझते थे, उन्हें पता चला कि खुद के देश में भी कितनी सुंदर जगहें हैं जो एक्सप्लोर की जा सकती हैं। बस तब से ही लोगों में लक्षद्वीप के बारे में और जाने की इच्छा है। अगर आप भी लक्षद्वीप जाने का मन बन रहे हैं और जानना चाहते हैं कि वहां कैसे पहुंचे तो ये स्टोरी पढ़ लें...

लेना पड़ता है परमिट

भारत के केंद्र शासित प्रदेशों में से एक लक्षद्वीप 35 द्वीपों का एक समूह है। ये पश्चिम में अरब सागर और पूर्व में लक्षद्वीप सागर के लिए ये समुद्री सीमा के तौर पर काम करता है। हालांकि यहां के सारे द्नीपों पर लोग नहीं जा सकते हैं। सिर्फ कुछ सीमित द्वीपों तक जाने के लिए ही परमिट मिल सकता है। जो भी व्यक्ति इस द्वीप का निवासी नहीं है, उन्हें अंदर प्रवेश करने के लिए संबंधित अधिकारी से परमिट हासिल करना होता है। इसकी वजह यहां के जनजातियों की रक्षा करना है।

कैसे करें परमिट के लिए आवेदन

परमिट के आवेदन के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन दो तरीकों से परमिट के लिए आवेदन किया जा सकता है। लक्षद्वीप टूरिज्म की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए आप ये परमिट की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरु कर सकते हैं। जरूरी दस्तावेज अपलोड करने, जानकारी दर्ज करने और फीस का भुगतान करने के बाद आपकी यात्रा के 15 दिन पहले परमिट ई- मेल के जरिए आपको मिल सकता है। अगर इसे ऑफलाइन ये प्रक्रिया करना चाहते हैं तो कवरत्ती में कलेक्टर के दफ्तर जाना होगा। यहां से फॉर्म हासिल करना और जरूरी जानकारियां जमा करानी होगी।

परमिट के लिए दस्तावेज और फीस

आमतौर पर परमिट की वैधता 30 दिनों की होती है, लेकिन विशेष स्थिति में इसे बढ़ाया भी जा सकता है। हर आवेदक को परमिट के लिए 50 रुपये चुकाने होंगे। हालांकि 12 से 18 साल के लोगों के लिए हेरिटेज फीस 100 रुपये है। जबकि ये ही फीस 18 साल से ज्यादा उम्र के लिए लोगों के लिए 200 रुपये है। परमिट के लिए पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ, आधार कार्ड, वोटर कार्ड जैसे पहचान पत्र की एक फोटोकॉपी, यात्रा के टिकट दिखाने होंगे। साथ ही पर्यटकों को भी बताना होगा कि वो कौन से होटल में ठहरने वाले हैं।

कैसे पहुंचे लक्षद्वीप

कोच्चि को लक्षद्वीप का गेटवे माना जाता है। यहां आप शिप और फ्लाइट के जरिए जा सकते हैं। कोच्चि से अगति के बीच फ्लाइट्स का सफर करीब डेढ़ घंटे का होता है। अगति और बंगारम द्वीपों पर पहुंचने के लिए कोच्चि से फ्लाइट्स लेनी होगी। अगति से कवरत्ती और कदमत के लिए अक्टूबर से मई के बीच नाव मिलती है। वहीं मॉनसून के दौरान अगति से कवरत्ती तक हेलीकॉप्टर से जाया जा सकता है।

सोमवार को शिवलिंग पर अर्पित करें ये चीजें, भोलेनाथ होंगे प्रसन्न

हिंदू धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित होता है। वैसे ही सोमवार का दिन भोलेनाथ का माना जाता है। इस दिन यदि शिवजी की पूरे दिल से पूजा की जाए तो वह प्रसन्न होकर भक्तों को मनचाहा आशीर्वाद देते हैं। वैसे तो भोलेनाथ भक्तों से बहुत ही जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं लेकिन सोमवार भगवान शिव की पूजा के लिए कुछ कारगार उपाय भी बताए गए हैं। पुराणों की मानें तो सोमवार के दिन शिवलिंग पर कुछ खास चीजें यदि अर्पित की जाएं तो शिवजी भक्तों से बहुत ही जल्दी प्रसन्न होते हैं। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि आप कौन-कौन सी चीजें सोमवार को शिवजी को अर्पित कर सकते हैं...

पंचामृत

सोमवार के दिन शिवलिंग का पंचामृत से स्नान करवाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन शिवलिंग पर चंदन और भभूत लगाना चाहिए। इसके अलावा बेलपत्र, धतूरा और शमी के पत्ते चढ़ाने से शिवजी प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

गन्ने के रस से अभिषेक

इस दिन शिवलिंग का गन्ने के रस के साथ अभिषेक करना भी बहुत ही उत्तम माना जाता है। इससे शिवजी बहुत जल्दी भक्तों से प्रसन्न होते हैं और लोगों की सारे मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

वैवाहिक जीवन रहेगा सुखमय

सोमवार के दिन शिवलिंग पर शिव की प्रिय चीजें चढ़ाने के बाद 'ऊं नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप जरुर करें। सोमवार के दिन शिव मंदिर में रुद्राक्ष अर्पित करने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है।

पापों से मिलेगी मुक्ति

सोमवार के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना भी अति शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, अलग-अलग कामना के लिए शिवजी का अलग-अलग चीजों के साथ रुद्राभिषेक करना चाहिए। शिवलिंग पर घी अर्पित करने से संतान का सुख मिलता है वहीं गंगाजल शिवलिंग पर चढ़ाने से पापों से मुक्ति मिलती है।

पितृ दोष होगा दूर

सोमवार को शिव मंदिर में दीप दान करने से भोलेनाथ भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं। मान्यताओं के अनुसार, सोमवार को कच्चे चावल में काला तिल मिलाकर शिवलिंग पर दान करने से पितृ दोष दूर होता है।

निराशा और अंधेरे के बीच कुछ आशा और रोशनी की किरण

मैंने अपने कॉलम में 28 अगस्त 2022 को लिखा था-बिलकिस बानो नाम की एक प्रताड़ित और शोक संतप्त मां से बेहतर कोई इंसान की पीड़ा को व्यक्त नहीं कर सकता था।

(सुप्रीम कोर्ट के 13 मई, 2022 के एक फैसले में), किसी भी चुनौती के अभाव में भी, गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा पारित दिनांक 17-07-2019 के आदेश को रद्द कर दिया गया और गुजरात को निर्देश दिया गया कि दिनांक 09-07-1992 की अपनी नीति के अनुसार समय पूर्व रिहाई के लिए याचिकाकत्र्ता (राधेश्याम शाह) के आवेदन पर विचार करें।

मैंने अपने कॉलम में 28 अगस्त 2022 को लिखा था-बिलकिस बानो नाम की एक प्रताड़ित और शोक संतप्त मां से बेहतर कोई इंसान की पीड़ा को व्यक्त नहीं कर सकता था। कुछ सरल लेकिन हृदय विदारक शब्दों में उन्होंने लाखों गरीबों, भेदभाव से पीड़ति और उत्पीड़ति नागरिकों की स्थिति का सार प्रस्तुत किया ''मुझे बिना किसी डर के जीने का मेरा अधिकार वापस दो।''

जघन्य अपराध : भाग-1 बिलकिस बानो की कहानी है जो बताने और दोबारा सुनाने लायक है। 2002 में एक ट्रेन में आग लगाने के बाद गुजरात में हिंसा भड़क उठी थी। 21 वर्षीय बिलकिस बानो शादीशुदा थी, उसकी 3 साल की बेटी थी और वह फिर से गर्भवती थी। ड्रूषहसा में, पुरुषों की भीड़ ने उन पर हमला किया, उनके बच्चे सहित उनके परिवार के 7 सदस्यों की हत्या कर दी गई और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। वह भाग्यशाली थी कि वह बच गई और अपनी कहानी बताई। उसके हमलावरों पर विशेष न्यायाधीश, ग्रेटर मुंबई द्वारा मुकद्दमा चलाया गया। 21 जनवरी 2008 के फैसले के अनुसार, 11 लोगों को दोषी पाया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

15 अगस्त, 2022 को, प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में लोगों से नारी शक्ति-महिला शक्ति पर गर्व करने के लिए कहा। विडंबना यह है कि उसी दिन कुछ घंटों बाद, गुजरात सरकार ने आजीवन कारावास की शेष सजा माफ कर दी और 11 दोषियों को रिहा कर दिया। रिहा किए गए दोषियों ने कोई पछतावा नहीं दिखाया। उनका फूलमालाओं और मिठाइयों से स्वागत किया गया। स्वागत करने वाले दल में से कुछ लोगों ने श्रद्धा दिखाते हुए उनके पैर छुए। एक ने कहा, ''वे अच्छे संस्कार वाले ब्राह्मण हैं।''

कष्टदायक मुकद्दमा : भाग-2 न्यायालयों के बारे में है। 8 जनवरी, 2024 को, एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने माफी के आदेशों को रद्द करने के लिए दायर याचिकाओं को स्वीकार कर लिया और रिहा किए गए 11 दोषियों को सजा काटने के लिए जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया। यह कॉलम दोषियों को मिली अनुचित राहत के बारे में नहीं है। यह कानून के शासन और कानून तथा मानवाधिकारों की परस्पर क्रिया से संबंधित बड़े सवालों के बारे में है। न्यायालय ने कहा (और मैं केवल इस कॉलम से संबंधित अंश उद्धृत कर रहा हूं)

एक महिला चाहे कितनी भी ऊंची या नीची क्यों न हो, सम्मान की हकदार है।

जांच एजैंसी ने एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की जिसमें कहा गया कि आरोपी का पता नहीं लगाया जा सका और उक्त क्लोजर रिपोर्ट को न्यायिक मैजिस्ट्रेट ने स्वीकार कर लिया।

इस न्यायालय ने मामले को फिर से खोलने का निर्देश दिया और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को स्थानांतरित कर दी। विशेष न्यायाधीश, ग्रेटर मुंबई ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराया।

दिनांक 04-05-2017 के फैसले द्वारा.... बॉम्बे उच्च न्यायालय ने 11 व्यक्तियों की सजा को बरकरार रखा।

प्रतिवादी नंबर 3 ...(चुनौती दी) समय से पहले रिहाई के लिए उनके आवेदन पर विचार न करने पर गुजरात उच्च न्यायालय ने दिनांक 17-07-2019 के आदेश द्वारा याचिकाकत्र्ता को निर्देश दिया कि वह महाराष्ट्र राज्य के साथ अपने उपाय को आगे बढ़ाए।

(सुप्रीम कोर्ट के 13 मई, 2022 के एक फैसले में), किसी भी चुनौती के अभाव में भी, गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा पारित दिनांक 17-07-2019 के आदेश को रद्द कर दिया गया और गुजरात को निर्देश दिया गया कि दिनांक 09-07-1992 की अपनी नीति के अनुसार समय पूर्व रिहाई के लिए याचिकाकत्र्ता (राधेश्याम शाह) के आवेदन पर विचार करें।

26-05-2022 को गुजरात राज्य की जेल सलाहकार समिति की बैठक हुई और सभी सदस्यों ने सजा में छूट देने की सिफारिश की।

सत्र न्यायाधीश, गोधरा ने दिनांक 09-07-1992 को नीति लागू की और 'सकारात्मक' निर्णय दिया?

समयपूर्व रिहाई के संबंध में राय।

गृह मंत्रालय के पत्र दिनांक 11-07-2022 द्वारा सभी 11 दोषियों की समयपूर्व रिहाई के लिए अपनी मंजूरी दे दी।

8 जनवरी, 2024 के फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि 13 मई, 2022 के सुप्रीम कोर्ट के पहले फैसले से शुरू होने वाली छूट से संबंधित पूरी कार्रवाई दूषित थी। न्यायालय द्वारा दिए गए कारण विनाशकारी थे।

उच्च न्यायालय, गुजरात के 17 जुलाई, 2019 के फैसले को चुनौती नहीं दी गई थी। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने 13 मई, 2022 के फैसले को रद्द कर दिया था।

13 मई, 2022 का निर्णय तथ्यों को छिपाकर और धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया था, और यह अमान्य है।

13 मई, 2022 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों की बाध्यकारी मिसालों की अनदेखी की गई थी।

केवल एक कैदी (राधेश्याम शाह) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, फिर भी सभी 11 दोषियों की सजा माफी के मामले पर विचार किया गया।

इस मामले में गुजरात राज्य का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था, केवल महाराष्ट्र का अधिकार क्षेत्र था।

गुजरात द्वारा 9 जुलाई 1992 की नीति को रद्द कर 23 जनवरी 2014 की नई नीति बनाई गई।

गुजरात ने तालमेल के साथ काम किया था और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राधेश्याम शाह ने जो मांग की थी, उसमें वह शामिल था।

कड़वा-मीठा सबक : भाग 3- भारत के नागरिकों से संबंधित है। बिलकिस बानो मामले का सबक यह है कि नागरिकों की गरिमा, स्वतंत्रता, गोपनीयता और मानवाधिकारों का खुलेआम उल्लंघन किया जाता है। लेकिन निडर पुलिस अधिकारी और साहसी न्यायाधीश हैं जो दोषियों को सजा देंगे। राज्य अपराध करने वालों के साथ सांठ-गांठ कर सकता है और उन्हें वंचित स्वतंत्रता हासिल करने के लिए सहायता और उकसा सकता है। वादी न्यायालयों के साथ धोखाधड़ी करते हैं।

न्यायाधीश गंभीर गलती कर सकते हैं। सार्वजनिक आक्रोश अन्य न्यायाधीशों को त्रुटियां सुधारने के लिए प्रेरित कर सकता है। कानून का शासन हर चीज पर हावी है और बिलकिस बानो के शब्द 'मैं फिर से सांस ले सकती हूं' हमेशा गूंजते रहेंगे। चारों ओर निराशा और अंधेरे के बीच, कुछ आशा और रोशनी है।

पी. चिदम्बरम

दिल्ली में खालिस्तानी समर्थक पोस्टर मेट्रो पिलर के साथ 2 हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की ई मेल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 13 मई को चौथे चरण का मतदान कराया जाएगा. इस बीच राजधानी दिल्ली के मेट्रो स्टेशन के पिलर पर खालिस्तान समर्थक चित्र और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ के नारे लिखे पाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने मामले में संज्ञान लेते हुए स्लोगन और चित्र को काले रंग की स्याही से मिटा दिया है। बताया जा रहा है कि यह दिल्ली मेट्रो के करोल बाग और झंडेवालां स्टेशन के पिलर पर पाया गया था. स्लोगन लिखने में इस्तेमाल किए गए रंग का कंटेनर भी वहां बरामद किया गया है. दिल्ली पुलिस ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है. इसक साथ ही संबंधित मेट्रो स्टेशन से अपील की गई है कि वे सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराएं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उन्हें पकड़ा जा सके। 26 जनवरी को मिली थी ऐसी ही धमकी

यह पहली बार नहीं है जब राजधानी दिल्ली में खालिस्तान समर्थित नारे या भित्तिचित्र दीवारों पर लिखे पाए गए हैं. साल की शुरुआत में भी उत्तम नगर में ऐसा मामला आया था. गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकारी स्कूल की दीवार पर नारे लिख दिए गए थे जिसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसे मिटाया था। उधर, दूसरी तरफ आज ही दिल्ली के दो अस्पतालों को बम की धमकी भरा ईमेल आया है. ये दोनों बुराड़ी और मंगोलपुरी के बड़े अस्पताल हैं जहां हर रोज बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज होता है. उधर, चुनावी मौसम में इस तरह की घटनाएं दिल्ली पुलिस की भी मुश्किलें बढ़ा रहा है. 25 मई को राजधानी दिल्ली की 7 सीटों पर लोकसभा चुनाव के तहत मतदान कराए जाने हैं।

सामान्य तरीके से हुई अस्पतालों की जांच, नहीं मची अफरा-तफरी; कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला....

बाड़ा हिंदू राव अस्पताल प्रशासन को धमकी भरे ईमेल की जानकारी शाम को मिली। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी। मरीजों को इस बारे में सूचना नहीं दी गई। मौके पर पहुंचे बम स्क्वाड और पुलिस दल ने गहनता से पूरे अस्पताल परिसर की छानबीन की लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद सभी लौट गए। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा कि अब सबकुछ सामान्य है।

नई दिल्ली। अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल आने के बाद नई दिल्ली के अस्पताल अलर्ट पर आ गए हैं। नगर निगम के अस्पताल बाड़ा हिंदू राव के नाम से धमकी भरा मेल भेजा गया था। इसके बाद बम स्क्वाड ने पूरे अस्पताल की जांच की, लेकिन उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। लोक नायक अस्पताल और जीबी पंत अस्पताल को ऐसा कोई मेल नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने एहतियातन सुरक्षा बढ़ाई और सभी गार्ड को अलर्ट कर दिया है।

शाम तीन बजे बाड़ा हिंदू राव अस्पताल प्रशासन को धमकी भरे ईमेल की जानकारी मिली थी। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी। मरीजों को इस बारे में सूचना नहीं दी गई। मौके पर पहुंचे बम स्क्वाड और पुलिस दल ने गहनता से पूरे अस्पताल परिसर की छानबीन की, लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद सभी लौट गए। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा कि अब सबकुछ सामान्य है।

सुरक्षाकर्मियों को किया गया अलर्ट

एलएन अस्पताल के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि अस्पताल को कोई धमकी भरा मेल नहीं मिला है, लेकिन हमने पुलिस को सूचना दी है और सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट पर रहने को कहा है। जीबी पंत अस्पताल के निदेशक डा. अनिल अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल प्रशासन को कोई मेल नहीं मिला है, लेकिन सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

पेंशन की परिवर्तित अवधि 15 से 10 साल करने की मांग

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। भारतीय पेंशनर्स मंच के चेयरमेन वी एस यादव ने भारत सरकार के कल्याण विभाग, (पेंशन) को पत्र लिखकर पेंशन एवं पेंशन- भोगियों को पेंशन परिवर्तित मूल्य की बहाली की अवधि15 वर्ष से घटाकर 10 वर्ष करने की मांग की है। इस बावत यूनियन ने पहले भी भारत सरकार के कल्याण विभाग (पेंशन) के सेकेट्री को 28 जुलाई, 2021, 9 दिसंबर, 2021, और 14 अक्टूबर ,2022 को भी पत्र लिखकर पेंशन के परिवर्तित मूल्य की बहाली के लिए 15 वर्ष की तय अवधि को घटाकर 10 वर्ष करने संबंधी रिमाइंडर लेटर तक लिख चुके हैं। लेकिन बावजूद इसके आज-तक इस गंभीर विषय पर कुछ भी फैंसला नहीं लिया गया है।

मंच के चेयरमैन के मुताबिक पेंशन के परिवर्तित मूल्य की बहाली के लिए 15 वर्ष की अवधि कई सालों पहले तय की गई थी। अब हालात ये है कि दिन प्रतिदिन बढती मंहगाई, ब्याज की दरें ,दवाई, और तमाम जरूरी चीजों के दामों में बेतहाशा इजाफा हो चुका है ।इसके अलावा दैनिक खर्चों में जबरदस्त बढोतरी हुई है। इस से पेंशन भोगियों को खासी परेशानियों को झेलना पड रहा है।

वी एस यादव ने बताया कि वैसे तो भारत सरकार जनता को बेहतर सुविधाए मुहैया कराने के तहत नियमों-विनियमों को संशोधित करती रही है। लेकिन ताज्जुब है कि पेंशन भोगियों के कल्याणार्थ कोई भी पहल नहीं की गई है। उल्टे भारत सरकार ने पेंशनर्स के खिलाफ रेल किराए में (सीनियर सिटीजन) को मिलने वाली छूट तक को खत्म कर दिया है।

मंच के चेयरमैन वी एस यादव के मुताबिक पांचवे वेतन आयोग ने भी रूपांतरित पेंशन की वसूली की अवधि को कम करने की सिफारिश की थी ।लेकिन सरकार द्वारा आयोग की सिफारिश को भी दरकिनार कर दिया ।यूनियन लीडर ने बताया कि केरल, मध्यप्रदेश, उडीसा, और गुजरात राज्य सरकारों ने पहले से ही पूर्ण पेंशन के लिए बहाली की अवधि को कम कर दिया है। उन्होंने बताया कि यहां तक की पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले में पहले ही पेशनभोगियों से आगे की वसूली पर रोक लगा दी है। इसके अलावा संसद में भी प्रश्न संख्या 2317, 21 दिसंबर 2022 के तहत वित्त मंत्रालय को भी 3 अक्टूबर, 2022 को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया था। बावजूद इसके आज-तक इस मामले में कोई प्रगति नही हुई है। मंच ने भारत सरकार से इस बावत शीध्र-अतिशीघ्र पेंशन कम्युटेशन की अवधि को घटाकर 10 वर्ष करने की मांग दोहराई है।

'बीजेपी की वाशिंग मशीन तोड़ेंगे, वो भी चौराहे पर रखकर', आखिर केजरीवाल ने ऐसा क्यों बोला?

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में हमने भ्रष्टाचार पर जिस तरह से प्रहार किया है चाहे वह छोटे लेवल का हो या बड़े लेवल का हमने उसे खत्म किया है। उसी तरह का तरीका पूरे देशभर में लागू किया जाएगा। बता दें इससे पहले शनिवार को भी उन्होंने पंजाब और दिल्ली में भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की बात कही थी।

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इससे पहले शनिवार को उन्होंने जेल से निकलने के बाद पहली बार प्रेस को संबोधित किया था। इसमें उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला था। वहीं आज के प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पंजाब सीएम भगवंत मान के साथ देशवासियों को 10 गारंटी दी है। इन गारंटियों में भ्रष्टाचार को खत्म करना भी एक मुद्दा है।

सीएम केजरीवाल के 10 गारंटी में 9वां गारंटी देश से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने का है। केजरीवाल ने कहा- बीजेपी की वॉशिंग मशीन को चौराहे के ऊपर रखकर तोड़ा जाएगा। बीजेपी का वॉशिंग मशीन इस देश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा कारण है। यह इसका सबसे बड़ा सोर्स है। ईमानदार लोगों को जेल भेजने और बेइमानों को संरक्षण देने की आज जो मौजूदा व्यवस्था है, इस व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा।

हमने पंजाब और दिल्ली में की कार्रवाई

उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब में हमने भ्रष्टाचार पर जिस तरह से प्रहार किया है, चाहे वह छोटे लेवल का हो या बड़े लेवल का, हमने उसे खत्म किया है। उसी तरह का तरीका पूरे देशभर में लागू किया जाएगा। बता दें, इससे पहले शनिवार को भी उन्होंने भ्रष्टाचार का जिक्र किया था और कहा था कि उन्होंने अपने भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई है, जबकि इसकी जानकारी न तो किसी विपक्षी नेताओं को थी और न ही मीडिया को।

गरीबों को मुफ्त बिजली की घोषणा

बता दें, सीएम केजरीवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में देशवासियों को 10 गारंटी दी है, जिसमें पूरे देश में चौबीसों घंटे बिजली और गरीबों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा शामिल है। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर भी गारंटी दी है।

लोकसभा चुनाव के समर में छात्र शक्ति भी दिखा रही दमखम, पार्टियों के प्रचार में जुटे ये छात्र संगठन

परिवहन विशेष न्यूज

लोकसभा चुनाव का महासमर जारी है और राजधानी दिल्ली में सभी प्रत्याशी एवं पार्टियां चुनावी अभियान में जुटे हुए हैं। चुनावी समर में छात्र शक्ति भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के छात्र संगठन राज्यभर में घूम-घूमकर प्रचार कर रहे हैं। जानिए छात्र संगठन कैसे दे रहे हैं चुनावी अभियान को धार।

नई दिल्ली। अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के एक पदाधिकारी के पास दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र आईएनडीआइ गठबंधन के प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे। छात्रों को वोट मांगते देखकर वह थोड़ा चौंक गए। विश्वविद्यालय के छात्रों को सीधे तौर पर ऐसे वोट मांगते नहीं देखा था। लेकिन, छात्रों ने पार्टी की योजना बताते हुए वोट करने की अपील की। यह राजधानी दिल्ली की किसी एक सीट की बात नहीं है, सातों सीटों के लिए छात्र शक्ति अपने-अपने तरीके से समर्थन जुटाने में लगी हुई है। वर्ष 2024 के चुनावी महासमर में कुछ छात्र संगठन खुलकर, तो कुछ पर्दे के पीछे से प्रत्याशियों के प्रचार में जुटे हैं। सभी ने अपनी रणनीति तैयार की है।

ये छात्र संगठन अधिक सक्रिय

हालांकि, आम चुनावों में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआई), आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा), स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) अधिक सक्रिय दिख रहे हैं। इसके अलावा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) सीधे तौर पर चुनाव में शामिल है। जेएनयूएसयू अध्यक्ष बिहार समेत दिल्ली में प्रचार कर रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) सीधे चुनाव में प्रचार नहीं करती है, लेकिन दूसरे प्रकल्पों के जरिये वे मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं। एनएसयूआई के दिल्ली के प्रभारी हनी बग्गा ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी, उत्तर-पूर्वी और चांदनी चौक पर लड़ रहे कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए प्रचार की कमान एनएसयूआई ने अपने हाथ में ली है। दस विधानसभाओं के लिए एक-एक कोआर्डिनेटर तैनात किए गए हैं।

मतदाताओं को जागरूक कर रही एबीवीपी

हनी ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू के एनएसयूआइ के कार्यकर्ताओं को प्रचार में लगाया गया है। कुछ राजधानी में और कुछ अपने जिलों में जाकर प्रचार कर रहे हैं। दिल्ली में सभी कोआर्डिनेटर और कार्यकर्ता गारंटी कार्ड लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं।

सबसे अधिक ध्यान महिलाओं पर है और उनके लिए कांग्रेस घोषणापत्र में जो उल्लेख किया गया है, उसके बारे में जानकारी दी जा रही है। फिलहाल एबीवीपी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। डीयू के कालेजों और अन्य इलाकों में जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पिछले दिनों संगठन ने विकसित भारत यात्रा का आयोजन भी किया था।

युवा मतदाताओं पर कर रहे फोकस

आईसा दिल्ली के प्रभारी मानिक गुप्ता ने बताया कि छात्रों को अलग-अलग टोलियों में बांटा गया है। वे आईएनडीआईए के सातों प्रत्याशियों के समर्थन में घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं। इसमें युवाओं पर अधिक फोकस किया जा रहा है। उनके मुद्दे उन्हें बताए जा रहे हैं।

जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय ने बताया कि कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) से तीन उम्मीदवार बिहार से और एक झारखंड से चुनाव लड़ रहा है। फिलहाल उनके पक्ष में प्रचार कर रहा हूं। जल्द दिल्ली लौटकर अगले 10 दिन राजधानी की सातों सीटों के लिए प्रचार किया जाएगा।

'...तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा', रोड शो के दूसरे दिन सीएम केजरीवाल ने दिल्लीवासियों से की अपील

सीएम केजरीवाल ने उत्तम नगर के रोड शो में कहा कि 15 दिन तक मेरी दवा बंद कर दी। मैं शुगर का मरीज हूं। जब बाहर था तो 52 युनिट रोज इंसुलिन लेता था। जब तिहाड़ गया तो 15 दिन तक इंसुलिन बंद कर दी गई। जनता ने बाहर आवाज उठाई तो इन लोगों ने दोबारा दवा शुरू की। ये तानाशाही है इस तरह से देश नहीं चल सकता।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को रोड शो में कहा कि अगर लोग 25 मई को आम आदमी पार्टी को चुनते हैं, तो उन्हें वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा। बता दें कि आप के राष्ट्रीय संयोजक एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा।

केजरीवाल ने रविवार को नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र के मोती नगर और पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के उत्तम नगर इलाके में रोड शो के दौरान भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने मुझे जेल भेजा, क्योंकि मैंने आपके लिए काम किया। भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली के लोगों का काम हो।

जनता ने आवाज उठाई तो मुझे दी गई दवाई: केजरीवाल

उन्होंने आरोप लगाया कि 15 दिन तक मेरी दवा बंद कर दी। मैं शुगर का मरीज हूं। जब बाहर था तो 52 युनिट रोज इंसुलिन लेता था। जब तिहाड़ गया तो 15 दिन तक मेरी इंसुलिन बंद कर दी गई। जनता ने बाहर आवाज उठाई तो इन लोगों ने दोबारा दवा शुरू की। ये तानाशाही है, इस तरह से देश नहीं चल सकता।

आप संयोजक ने कहा कि मैं वापस जेल गया, तो भाजपा आपका काम बंद कर देगी, मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी, स्कूलों की हालत खराब कर देगी और अस्पतालों व मोहल्ला क्लीनिकों को बंद कर देगी।

जेल में आपकी बहुत याद आई: केजरीवाल

सीएम ने कहा कि मैं एक महीना जेल में रहा। आप लोगों की बहुत याद आई जेल में। मुझसे जेल में मिलने भगवंत मान, पत्नी सुनीता केजरीवाल आती थी। वो बताते थे कि कई लोगों ने व्रत रखे, मन्नत मांगी है। आज आप लोगों के आशीर्वाद से मैं आप सब लोगों के बीच हूं। रोड शो में केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी थे। मान ने कहा कि दिल्ली के सीएम 20 दिन के लिए जेल से बाहर आए हैं और देशभक्तों के लिए इतने दिन काफी होते हैं। इन्हें दिल्ली के लोगों की चिंता है।

दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहेंगे केजरीवाल, देशभर में करेंगे I.N.D.I.A. के लिए प्रचार; जानें उनका कार्यक्रम

आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली है वह लगातार रात-दिन लोगों के लिए काम कर रहे हैं। गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए भी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब वह गठबंधन के घटक दलों के लिए देश के अलग-अलग कोनों में जाकर चुनाव जिताने की अपील करेंगे।

नई दिल्ली। आप सुप्रीमो और सीएम अरविंद केजरीवाल आइएनडीआइ गठबंधन के लिए देशभर में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) और राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने रविवार को कहा कि केजरीवाल पूरे देश में जाकर वोट मांगेंगे। 15 मई को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, 16 को झारखंड के जमशेदपुर और 17 को मुंबई में चुनाव प्रचार करेंगे।

पाठक ने आगे कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली है, वह लगातार रात-दिन लोगों के लिए काम कर रहे हैं। गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए भी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब वह गठबंधन के घटक दलों के लिए देश के अलग-अलग कोनों में जाकर चुनाव जिताने की अपील करेंगे। गठबंधन के सभी घटक दल चाहते हैं कि केजरीवाल उनके राज्य में आकर उनके लिए चुनाव प्रचार करें।

नोएडा में सड़कों पर दौड़ती दिखी पाकिस्तानी झंडे का स्टीकर लगी कार, जांच में जुटी पुलिस

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में पाकिस्तानी झंडे का स्टीकर लगी एक कार सड़कों पर दौड़ती नजर आई है। कार का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर वायरल हो रहा है। लोगों ने यूपी पुलिस को टैग करते हुए कार स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नोएडा जोन के एसीपी द्वितीय ने एक्स पर जवाब दिया कि कोतवाली फेज-वन पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है।

नोएडा। नोएडा में पाकिस्तानी झंडे का स्टीकर लगी एक कार सड़कों पर दौड़ती नजर आई है। कार का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नोएडा पुलिस ने कार पर लगी नंबर प्लेट के आधार पर खोजबीन शुरू कर दी है।

18 सेकंड का वीडियो देर रात में बनाया गया है। यूपी16 नंबर की टोयोटा की सफेद रंग की कार सड़क पर जाम में फंसी हुई है। इसी बीच पीछे से चल रही एक कार में बैठे युवक की नजर उस कार के पीछे एक तरफ पाकिस्तानी झंडे के स्टीकर पर पड़ी। उसने मोबाइल से वीडियो बनाया और सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया। एक्स पर पोस्ट इस वीडियो में कहा कि पाकिस्तान का झंडा भारत में अस्वीकार्य है।

कार मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

वीडियो में यूपी पुलिस को टैग करते हुए कार स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नोएडा जोन के एसीपी द्वितीय ने एक्स पर जवाब दिया कि कोतवाली फेज-वन पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। वहीं एक व्यक्ति ने टिप्पणी करते हुए एक्स पर लिखा है कि अरे भाई कोई पाकिस्तानी टूरिस्ट हो कैब रेंट पर लिया हो और उस पर पाकिस्तान के झंडे का स्टीकर चिपका दिया हो। खैर ये झमेला यूपी पुलिस देखे।

हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कार किसकी है और कार के पीछे पाकिस्तानी झंडे का स्टीकर किस मंशा से चिपकाया गया है। एसीपी द्वितीय अरविंद कुमार का कहना है कि वीडियो संज्ञान में आने के बाद जांच कराई जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल पंप पर कार में लगी आग, कर्मियों की सजगता से टला बड़ा हादसा...

परिवहन विशेष न्यूज

पेट्रोल पंप कर्मियों की सजगता से शनिवार को एक बड़ा हादसा होने से बच गया। अगर कर्मियों का कुछ मिनट बाद ध्यान जाता तो शायद बड़े हादसे हो सकता था। शनिवार दोपहर करीब दो बजे मदनपुरी रोड स्थित लक्ष्मी बाजार के सामने पेट्रोल पंप पर समसपुर निवासी विकास रेनाल्ट कंपनी की डैटसन गाड़ी में पेट्रोल डलवाने आए थे।

गुरुग्राम। पेट्रोल पंप कर्मियों की सजगता से शनिवार को एक बड़ा हादसा होने से बच गया। अगर कर्मियों का कुछ मिनट बाद ध्यान जाता तो शायद बड़े हादसे हो सकता था। शनिवार दोपहर करीब दो बजे मदनपुरी रोड स्थित लक्ष्मी बाजार के सामने पेट्रोल पंप पर समसपुर निवासी विकास रेनाल्ट कंपनी की डैटसन गाड़ी में पेट्रोल डलवाने आए थे। पेट्रोल डलवाने के दौरान कार के बोनट से धुआं निकल रहा था। तभी एक कर्मी की नजर उस पर पड़ गई। उन्होंने तुरंत ही अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कार को धक्का देकर पंप के बाहर रोड पर ले आए।

टायरों में लगी आग

कार जैसे ही पंप से बाहर रोड पर पहुंची तो देखते-देखते कार में लग गई। कार के साइड में खड़ी रेनाल्ट की काइगर कार भी आग की चपेट में आ गई। काइगर गाड़ी के दो टायरों में आग लग गई।

कर्मियों ने पेट्रोल पंप पर रखे अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके। उन्होंने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल गाड़ी ने चंद मिनट में आग पर काबू पा लिया।

प्रेम, त्याग और ममता की मूरत है 'मां'; हर मुसीबत में बन जाती है बच्चों का रक्षाकवच

जब बात बच्चों के भविष्य की आती है तो न तो वह परिवार और समाज की चिंता करती है और न ही अपने स्वास्थ्य की। आज पूनम अपने साथ-साथ 120 महिलाओं को स्वावलंबी बना चुकी हैं। पूनम ने बताया कि वर्ष 2016 में उनके पति की नौकरी चली गई। उनके बच्चे स्कूल में पढ़ रहे थे। फीस नहीं देने के कारण बच्चों को स्कूल से निकालने का डर था।

गुरुग्राम। 'मां' इस शब्द में ही पूरा संसार निहित है। जब बच्चों पर कोई मुसीबत आती है तो मां उनका रक्षाकवच बन जाती है। हर मुसीबत अपने ऊपर लेती है और बच्चों को कुछ नहीं होने देती है।

कई बार परिस्थितियां विपरीत होती हैं तो मां ही होती है जो बच्चों को अपने सीने से लगाकर उनके हर दुख को दूर करने के लिए हर किसी से लड़ जाती है। यह कहना है कि गांव ताजनगर की रहने वाली पूनम शर्मा का। उनका कहना है कि मां में ही भगवान ने वो शक्ति दी हुई है जो अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती हैं।

जब बात बच्चों के भविष्य की आती है तो न तो वह परिवार और समाज की चिंता करती है और न ही अपने स्वास्थ्य की। आज पूनम अपने साथ-साथ 120 महिलाओं को स्वावलंबी बना चुकी हैं। पूनम ने बताया कि वर्ष 2016 में उनके पति की नौकरी चली गई। उनके बच्चे स्कूल में पढ़ रहे थे।

फीस नहीं देने के कारण बच्चों को स्कूल से निकालने का डर था। कहां जाएं, क्या करें कुछ समझ नहीं आ रहा था। ऐसे में उन्होंने खुद ही आत्मनिर्भर बनने की ठानी और मिलेट्स से बनी चीजों का बिजनेस शुरू किया।

न कोई डिग्री न डिप्लोमा, कला के बूते मिली पहचान

पूनम शर्मा का कहना है कि गांव के माहौल में एक महिला के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपने मिलेट्स से बनी चीजों को बेचने की शुरुआत की तो लोगों के ताने सहे। बस उनको यही ध्यान में था कि अगर पैसे नहीं मिले तो बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाएगी।

ऐसे में उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने कदम आगे बढ़ाती गई। अपनी कला को पहचान देने के लिए गांव-गांव घूमी और अन्य महिलाओं को भी साथ लिया। पूनम के साथ अब करीब 120 महिलाएं जुड़ी हुई हैं जो टिफिन सर्विस से लेकर पशुपालन और खेती-बाड़ी के कार्य कर रही हैं। पूनम शर्मा को एक कार्यक्रम में सुषमा स्वराज पुरस्कार और नोएडा में हुए श्री अन्न कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार मिला है। हर वर्ष वह सरस मेले समेत अन्य मेलों में अपनी स्टाल लगाती हैं।

सपा के लिये नाक की बात, कन्नौज-इटावा हैं खास

अजय कुमार

साल 2000 में हुए उप-चुनाव में कन्नौज सीट मुलायम सिंह के बेटे और मौजूदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उतारा गया। इसके साथ ही अखिलेश ने चुनावी राजनीति में एंट्री ली। अखिलेश का राजनीति में यह प्रवेश जीत के साथ हुआ। उन्होंने इस उपचुनाव में जीत दर्ज की और लोकसभा पहुंचे।

उत्तर प्रदेश में चौथा चरण समाजवादी पार्टी के लिये विशेष महत्व रखता है। चौथे चरण में 13 मई को होने वाले मतदान में 13 सीटों पर ही चुनाव भी होना है। चौथे चरण में सपा के दबदबे वाली इटावा और कन्नौज की लोकसभा की दो ऐसी सीटें है। जो कभी समाजवादी पार्टी का गढ़ हुआ करती थीं, लेकिन अब यहां खासकर इटावा में हालात काफी बदल गये हैं। फिर भी सपा की यहां जीत की संभावनाएं कम नहीं हैं। पहले बात कन्नौज की। कन्नौज लोकसभा सीट इन दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव के यहां से चुनाव मैदान में कूदने के कारण सुर्खियों में है। सपा ने यहां पहले तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, नामांकन से ठीक पहले तेज प्रताप का नाम कट गया। इस सीट अखिलेश के सामने भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को टिकट दिया है। बसपा के इमरान बिन जाफर भी यहां मैदान में हैं। कन्नौज हमेशा से लोकसभा सीट नहीं थी। यह 1967 में अस्तित्व में आई थी। साल 1967 में हुए आम चुनाव में कन्नौज सीट पर डॉ. राम मनोहर लोहिया को जीत मिली थी। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उतरे लोहिया ने कांग्रेस के एसएन मिश्रा को मात्र 472 वोटों से हराया था।

इसके बाद कन्नौज लोकसभा सीट 1999 के चुनाव से खास हो गई। क्योंकि कन्नौज सीट पर सपा उम्मीदवार और कोई नहीं बल्कि तब के सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव मैदान में स्वयं उतर गये थे। इस चुनाव में उनकी टक्कर किसी बड़े राजनीतिक दल के उम्मीदवार की बजाय एक गैर-मान्यता प्राप्त दल अखिल भारतीय लोकतांत्रिक कांग्रेस के प्रत्याशी से हुई। मुलायम सिंह ने लोकतांत्रिक कांग्रेस की तरफ से उतरे अरविंद प्रताप सिंह को 79,139 वोटों से हराया। 1999 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने कन्नौज के साथ ही संभल लोकसभा सीट से भी जीत दर्ज की थी। नतीजों के बाद मुलायम सिंह यादव संभल सीट से सांसद बने रहे और कन्नौज सीट से इस्तीफा दे दिया।

साल 2000 में हुए उप-चुनाव में कन्नौज सीट मुलायम सिंह के बेटे और मौजूदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उतारा गया। इसके साथ ही अखिलेश ने चुनावी राजनीति में एंट्री ली। अखिलेश का राजनीति में यह प्रवेश जीत के साथ हुआ। उन्होंने इस उपचुनाव में जीत दर्ज की और लोकसभा पहुंचे। साल 2004, इस बार कन्नौज सीट से एक बार फिर अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरते हैं। इस चुनाव में अखिलेश के सामने बसपा से ठाकुर राजेश सिंह थे। अखिलेश ने बसपा प्रत्याशी को 3,07,373 वोटों के विशाल अंतर से हरा दिया। पांच वर्षों के बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में भी सपा की ओर से उतरे अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट पर जीत हासिल की लेकिन उनकी जीत का अंतर घट गया। उन्होंने बसपा उम्मीदवार डॉ. महेश चंद्र वर्मा को 1,15,864 वोट से हराया। भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सुब्रत पाठक 2009 में तीसरे स्थान पर रहे।

2012 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी के तौर पर अखिलेश यादव मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए। बाद में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान परिषद का चुनाव लड़ा और चुनाव जीत गये। फिर कन्नौज सीट पर उप-चुनाव की जरूरत पड़ गई। इसके बाद कन्नौज सीट पर उप-चुनाव हुआ जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को कन्नौज लोकसभा सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे दो उम्मीदवारों ने उप-चुनाव के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। कांग्रेस और बसपा ने अपने उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा था जबकि भाजपा उम्मीदवार अंतिम समय में अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पाए थे। इस तरह से शीला दीक्षित के बाद डिंपल यादव कन्नौज सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली दूसरी महिला बन गईं।

2014 के लोकसभा चुनाव में देश के ज्यादातर हिस्सों में भाजपा को जीत मिलती है। हालांकि, कन्नौज में पार्टी सपा के सामने हार जाती है। इस चुनाव में डिंपल यादव ने भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक को रोचक मुकाबले में 19,907 वोटों से हरा दिया। डिंपल को 4,89,164 वोट मिले। वहीं, भाजपा के प्रत्याशी को 4,69,257 वोट मिले, लेकिन पांच साल के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने देशभर की 303 सीटों पर जीत हासिल की। इनमें कन्नौज की अहम जीत भी शामिल रही। आखिरकार सुब्रत पाठक कन्नौज का किला भेदने में कामयाब हो गए। पाठक ने इस चुनाव में डिंपल यादव को 12,353 वोटों से हराया। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 5,63,087 वोट मिले। वहीं, सपा के उम्मीदवार को 5,50,734 वोट मिले। अब बात 2024 के चुनाव की कर लेते हैं। इस बार भाजपा के प्रत्याशी के तौर पर मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक ही चुनाव मैदान में हैं। वहीं, सपा की तरफ से पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरे हैं। जबकि डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव लड़ रही हैं, जहां मतदान हो चुका है बसपा ने इमरान बिन जाफर को अपना उम्मीदवार बनाया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कन्नौज की जनता जीत का सेहरा किसके सिर बांधती है और किसे अपना जनप्रतिनिधि चुनती है।

समाजवादी पार्टी के दबदबे वाली एक और इटावा सीट की बात की जो तो इस सीट पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बीजेपी को 3-3 बार जीत मिली है हालांकि पिछले 10 साल से इस सीट पर बीजेपी का कब्जा है और इस बार पार्टी के पास हैट्रिक लगाने का मौका है। इटावा सीट पर दलित वोटर्स की बहुलता है। हालांकि ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी है। इटावा लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी का अभी भी गढ़ मानी जाती थी। हालांकि पिछले दो बार से पार्टी उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ रहा है। इस बार समाजवादी पार्टी ने जितेंद्र दोहरे को मैदान में उतारा है। जबकि बीजेपी ने मौजूदा सांसद राम शंकर कठेरिया को उम्मीदवार बनाया है, जबकि बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व सांसद सारिका सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

साल 2019 आम चुनाव बीजेपी के उम्मीदवार राम शंकर कठेरिया ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राम शंकर कठेरिया ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार कमलेश कठेरिया को 64 हजार से ज्याद वोटों से हराया था। बीजेपी उम्मीदवार को 5 लाख 22 हजार 119 वोट मिले थे। जबकि समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को 4 लाख 57 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। कांग्रेस उम्मीदवार अशोक कुमार दोहरे को 16 हजार 570 वोट मिले थे। राजनीति के जानकार कहते हैं कि इटावा में सपा के कमजोर पड़ने की कई वजह रहीं हैं जिसमें प्रमुख तौर पर सपा द्वारा इटावा लोकसभा सीट की बजाय मैनपुरी लोकसभा सीट को ज्यादा प्राथमिकता देना विशेष है। चाचा-भतीजे के बीच की रार, पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की नए पदाधिकारियों द्वारा कहीं न कहीं उपेक्षा सपा की कमजोरी का कारण बने हैं। इस लोकसभा चुनाव में चाचा शिवपाल सिंह अब सपा के साथ हैं। ऐसे में कहीं न कहीं कार्यकर्ता चुनाव में मजबूती देख रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के अपने ही गढ़ में 2014 और 2019 में लगातार दो बार चुनाव हारने के कारणों का अगर विश्लेषण किया जाए तो 2014 में जहां मोदी लहर ने भाजपा को संजीवनी दी वहीं 2017 के बाद मुलायम परिवार में चाचा भतीजे के बीच हुए मतभेदों ने पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया। दो खेमों में संगठन व कार्यकर्ताओं के बंट जाने के कारण 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को नुकसान भी हुआ। हालांकि इस चुनाव में सपा बसपा का गठबंधन भी था। तब भी भाजपा अपना परचम लहराने में कामयाब रही। इस चुनाव में चाचा की पार्टी प्रसपा ने भी शंभूदयाल दोहरे को चुनाव मैदान में उतारकर वोटों का नुकसान किया था। उस समय चाचा शिवपाल सिंह यादव के समर्थकों में मायूसी छाई और उनके खास रहे पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, पूर्व जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता, ब्लाक प्रमुख बसरेहर दिलीप यादव भाजपा में शामिल हो गए। इस चुनाव में भी पार्टी हाईकमान की उपेक्षा से नाराज पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया भी भाजपा के खेमे में आ गए। इस चुनाव में सपा, बसपा के रास्ते अलग-अलग हैं।

सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य कहते हैं कि संगठन कतई कमजोर नहीं हुआ है। हालांकि बड़े नेताओं के दौरे न होने को लेकर कहा कि कार्यक्रम फाइनल हो रहे हैं। आजादी के बाद से समाजवादियों का गढ़ रहा इटावा लगातार उनके लिए मुफीद रहा है। व्यक्तिगत तौर पर कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया व राम सिंह शाक्य तीन बार विजयी हुए वहीं सपा से चुनाव लड़े रघुराज शाक्य भी दो बार चुनाव जीते थे। चौथे चरण में जिन सीटों पर मुकाबला होगा उसमें शाहजहांपुर, खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई, मिश्रिख, उन्नाव, फरूखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच शामिल हैं।

पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती कराई किशोरी की मौत, परिजनों का हंगामा

गाजियाबाद में पेट दर्द की शिकायत पर एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराई 16 वर्षीय किशोरी छाया की रविवार को मौत हो गई। स्वजन का आरोप है कि अस्पताल में सही इलाज न मिलने और दुर्व्यवहार की वजह से किशोरी की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसकी मौत हो गई। मौत को लेकर रविवार को किशोरी के स्वजन ने अस्पताल में हंगामा किया।

गाजियाबाद। पेट दर्द की शिकायत पर सात मई यानी मंगलवार को स्वजन ने जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराई 16 वर्षीय किशोरी छाया की रविवार को मौत हो गई। स्वजन का आरोप है कि अस्पताल में सही इलाज न मिलने और दुर्व्यवहार की वजह से किशोरी की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसकी मौत हो गई।

मौत को लेकर रविवार को किशोरी के स्वजन ने अस्पताल में हंगामा किया। साथ ही उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर व उत्तर प्रदेश व आइजीआरएस पोर्टल पर शिकायत भी की।

16 वर्षीय छाया की थी तबीयत खराब

विजय नगर के भूण भारत नगर की रहने वाली छाया कि मां मधु ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत करते हुए बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री छाया की तबीयत खराब थी। जिस पर सात मई यानी मंगलवार को छाया को जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया था। उसका इलाज चल रहा था।

बताया गया कि उनकी बेटी की तबीयत ज्यादा खराब हो रही है। उसको रक्त की जरूरत है। जिसके बाद मधु के भाई किट्टू ने किशोरी के लिए रक्त दिया था। आरोप है कि किशोरी को वह खून नहीं चढ़ाया गया। आरोप है कि जब सही इलाज न मिलने की शिकायत अधिकारियों और चिकित्सकों से की गई तो कहा कि ये लड़की ड्रामा कर रही है। इसे कुछ नहीं हुआ है यह मानसिक रूप सेपरेशान है।

12 मई को हुई थी किशोरी की मौत

सही इलाज नहीं मिलने की वजह से 12 मई को किशोरी की मौत हो गई। स्वजन के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें अस्पताल से भगा दिया गया। शिकायतकर्ता मां का कहना है कि चिकित्सकों की निर्दयता की वजह से उनकी बेटी की मौत हो गई, उम्मीद है कि शासन प्रशासन द्वारा मामले पर कड़ी कार्रवाई कर उनकी बेटी को न्याय दिलाया जाएगा।

जिला एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश सिंह का कहना है कि वह बुखार और खून की कमी से बीमार थी। बुखार में खून नहीं चढ़ाया गया। दुर्व्यवहार की शिकायत पर दो सदस्यीय टीम जांच के लिए गठित की गई है।

मारुति स्विफ्ट 2024 को मिल रहा ग्राहकों का प्यार , सिर्फ 10 दिन में मिली 10 हजार से ज्यादा बुकिंग , जानें कैसी हैं खूबियां

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति ने नौ मई 2024 को ही भारतीय बाजार में New Swift 2024 को लॉन्च किया है। इस हैचबैक कार को सिर्फ 10 दिन में ही 10 हजार से ज्यादा बुकिंग मिल चुकी हैं। इस कार में कंपनी किस तरह के फीचर्स को दे रही है। इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई तरह की कारों को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। इनमें एसयूवी के साथ ही हैचबैक कारें भी शामिल हैं। मारुति को New Swift 2024 के लिए कितनी बुकिंग मिल चुकी हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी मिली बुकिंग

मारुति की ओर से जानकारी दी गई है कि कंपनी की New Swift 2024 को सिर्फ 10 दिनों में ही देशभर से 10 हजार यूनिट्स के लिए बुकिंग मिल चुकी है। ऑनलाइन और ऑफलाइन डीलरशिप के जरिए इस कार के लिए बुकिंग को सिर्फ 11 हजार रुपये में करवाया जा सकता है।

कब से शुरू हुई थी बुकिंग

कंपनी ने इस कार के लिए बुकिंग्स को एक मई 2024 से शुरू कर दिया था और लॉन्च से पहले इसके लिए मारुति को 10 हजार से ज्यादा यूनिट्स की बुकिंग मिली है।

कैसे हैं फीचर्स

मारुति New Swift 2024 में कंपनी ने कई बेहतरीन फीचर्स को दिया है। इसमें छह स्पीकर सेटअप, फ्रंट में ट्विटर, नौ इंच टचस्क्रीनऑल न्यू सस्पेंशन सिस्टम, वायरलेस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, सुजुकी कनेक्ट, हाइड्रॉलिक क्लच, रियर एसी वेंट्स, रियर पैसेंजर्स को फोन चार्ज करने के लिए दो चार्जिंग पोर्ट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्टेयरिंग पर ऑडियो कंट्रोल्स के अलावा क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स के साथ ही छह एयरबैग के साथ लाया गया है। इसके साथ ही इसमें सेफ्टी के लिए हिल होल्ड असिस्ट, ईएसपी, रिवर्स पार्किंग कैमरा, एबीएस, ईबीडी जैसे सेफ्टी फीचर्स को दिया गया है।

कितना दमदार इंजन

नई Swift 2024 में कंपनी ने जेड सीरीज का नया 1.2 लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल इंजन मिलता है। 1197 सीसी के नए जेड सीरीज माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल इंजन से इसे 81.6 पीएस की पावर और 112 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। Swift 2024 को भी 5स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और एएमटी ट्रांसमिशन के साथ पेश किया गया है।

कितनी है कीमत

मारुति Swift 2024 को कंपनी ने पांच वेरिएंट्स में पेश किया गया है। इसके बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 6.49 लाख रुपये से होती है। जबकि इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत को 9.64 लाख रुपये रखा गया है।

रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 अगले महीने हो सकती है लॉन्च, दमदार इंजन और इन फीचर्स के साथ देगी दस्तक

रॉयल एनफील्ड भारत में अपने आगामी नियो-रेट्रो नेकेड रोडस्टर का परीक्षण कर रहा है इसमें हिमालयन के नवीनतम संस्करण के कई फीचर्स को शामिल किए जाने की खबर है। Guerrilla 450 नेमप्लेट के लिए एक ट्रेडमार्क दायर किया जा चुका है। रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 के अगले महीने के अंत या जुलाई की शुरुआत में लॉन्च होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड भारतीय मार्केट के लिए एक नई बाइक पर काम कर रहा है। इस बाइक को लॉन्च से पहले परीक्षण के दौरान स्पॉट किया जा चुका है, जहां से इसके डिजाइन और कुछ फीचर्स की डिटेल मिलती है। इस बाइक को जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में भारत में पेश किए जाने की उम्मीद है। नई बाइक Himalayan 450-बेस्ड होगी।

कब होगी लॉन्च ?

रॉयल एनफील्ड भारत में अपने आगामी नियो-रेट्रो नेकेड रोडस्टर का परीक्षण कर रहा है, इस बाइक का डिजाइन हंटर 350 से मिलता-जुलता सा प्रतीत होता है। हंटर की तुलना में आगामी बाइक को कई नए फीचर्स के साथ लाया जाएगा। इसमें हिमालयन के नवीनतम संस्करण के कई फीचर्स को शामिल किए जाने की खबर है। Guerrilla 450 नेमप्लेट के लिए एक ट्रेडमार्क दायर किया जा चुका है। रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 के अगले महीने के अंत या जुलाई की शुरुआत में लॉन्च होने की उम्मीद है।

कौन सा मिलेगा इंजन

इसमें 452 सीसी लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर DOHC इंजन मिल सकता है। यह इंजन 8,000 आरपीएम पर 40.02 पीएस का अधिकतम आउटपुट और हिमालयन में 5,500 आरपीएम पर 40 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इसे 6 स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा जबकि, एक स्लिपर और असिस्ट क्लच मानक होगा। चुंकि, बाइक को परीक्षण के दौरान स्पॉट किया जा चुका है तो इसके हल्के-फुल्के डिजाइन की झलक मिलती है।

संभावित फीचर्स

रॉयल एनफील्ड की अपकमिंग बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन, राइड मोड, साइड-माउंटेड एग्जॉस्ट, स्विचेबल रियर एबीएस, राइड-बाय-वायर थ्रॉटल के साथ टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर सहित कई और फीचर्स मिलने की उम्मीद है। इसमें टेलीस्कोपिक फोर्क्स, पीछे एक मोनोशॉक यूनिट, डुअल-चैनल एबीएस के साथ दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक दिखाई देते हैं।

इनसे होगा मुकाबला

आगामी बाइक का मुकाबला मार्केट में पहले से मौजूद हुस्क्वर्ना स्वार्टपिलेन 401 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगा। रेट्रो डिजाइन के साथ गुरिल्ला 450 इस बेहद प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाने की कोशिश करेगा। इस बाइक की कीमत 2.50 लाख एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है।

अप्रैल 2024 में लग्जरी कारों को खरीदने वालों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, जानें किस कंपनी ने की सबसे ज्यादा बिक्री

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) की ओर से April महीने में देशभर में हुई वाहनों की बिक्री पर एक रिपोर्ट जारी की गई है। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में बीते महीने के दौरान Luxury Car Sales कैसी रही है। किस कंपनी की ओर से April 2024 के दौरान कितनी लग्जरी कारों की बिक्री की गई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देशभर में सामान्य कारों के साथ ही लग्जरी कारों की बिक्री में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक April 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी लग्जरी कारों की बिक्री की गई है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

भारतीय बाजार में लग्जरी कारों की मांग में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देशभर में April 2024 के दौरान 2766 यूनिट्स लग्जरी वाहनों की बिक्री दर्ज की गई है। जबकि रिपोर्ट के मुताबिक बीते साल April महीने में देशभर में 2305 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। रिपोर्ट में मर्सिडीज, ऑडी, बीएमडब्ल्यू, लैंड रोवर जगुआर और वोल्वो जैसे वाहन निर्माताओं की बिक्री की जानकारी दी गई है।

कैसी रही मर्सिडीज की बिक्री

बीते महीने में देशभर में सबसे ज्यादा लग्जरी कारों की बिक्री मर्सिडीज बेंज की ओर से की गई है। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में मर्सिडीज बेंज की ओर से 1522 यूनिट्स की बिक्री की गई है। जबकि पिछले साल April महीने में कंपनी की ओर से देशभर में 1238 यूनिट्स की ही बिक्री हुई थी।

बीएमडब्ल्यू की भी रही मांग

मर्सिडीज के अलावा बीएमडब्ल्यू की कारों की भी देशभर में मांग रही। कंपनी ने मर्सिडीज के बाद दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा वाहनों की बिक्री की। रिपोर्ट के मुताबिक बीएमडब्ल्यू ने April 2024 के दौरान देशभर में 1185 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने पिछले साल April महीने में 923 यूनिट्स की बिक्री की थी।

जगुआर लैंड रोवर की कितनी हुई बिक्री

टाटा के स्वामित्व वाली जगुआर और लैंड रोवर की लग्जरी कार और एसयूवी की भी April में मांग रही। भारतीय बाजार में कंपनी ने April 2024 के दौरान 256 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि पिछले साल कंपनी ने इसी अवधि के दौरान 170 यूनिट्स की बिक्री की थी।

वोल्वो ने की कितनी बिक्री

स्वीडन की लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी वोल्वो भी भारतीय बाजार में अपनी कारों की बिक्री करती है। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक April 2024 के दौरान कंपनी ने भारत में अपनी 139 यूनिट्स कारों की बिक्री की है। जबकि पिछले साल April महीने में कंपनी ने देशभर में 158 यूनिट्स की बिक्री की थी।

कैसा रहा ऑडी का प्रदर्शन

अन्य यूरोपिय वाहन निर्माताओं की तरह ऑडी भी भारतीय बाजार में अपनी लग्जरी कारों की बिक्री करती है। रिपोर्ट के मुताबिक April 2024 के दौरान ऑडी ने भारत में 44 वाहनों की बिक्री की है। फरवरी 2023 के दौरान कंपनी ने 150 यूनिट्स की बिक्री की

टाटा की सस्ती एसयूवी फिर बनी भारतीयों की पसंद, जानें अप्रैल 2024 में रही किन एसयूवी की मांग

भारतीय बाजार में हर महीने लाखों यूनिट्स SUV Sale होती हैं। April 2024 में भी दमदार फीचर्स और इंजन के साथ आने वाली कई एसयूवी को ग्राहकों ने काफी पसंद किया है। बीते महीने किस कंपनी की ओर से किस एसयूवी की सबसे ज्यादा बिक्री की गई है। टॉप-10 लिस्ट में कौन कौन सी कंपनियों की कौन सी बेहतरीन एसयूवी को शामिल किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में मारुति से लेकर टाटा तक एसयूवी सेगमेंट में वाहनों को ऑफर करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक April 2024 के दौरान किन एसयूवी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया है। टॉप-10 लिस्ट में कौन कौन सी एसयूवी शामिल हुई हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Tata Punch

टाटा की ओर से माइक्रो एसयूवी के तौर पर Punch को ऑफर किया जाता है। छह लाख रुपये की कीमत पर मिलने वाली इस एसयूवी को बीते महीने सबसे ज्यादा पसंद किया गया। कंपनी ने इस एसयूवी की कुल 19158 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि April 2023 के दौरान इसकी कुल 10934 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

Maruti Brezza

मारुति की ओर से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में Brezza को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी को भी ग्राहक काफी ज्यादा पसंद करते हैं। April 2024 के दौरान इसकी कुल 17113 यूनिट्स की बिक्री देशभर में हुई। April 2023 के दौरान इसकी कुल 11836 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

Hyundai Creta

हुंडई भी मिड एसयूवी सेगमेंट में Creta को ऑफर करती है। कंपनी की इस एसयूवी को भारतीय बाजार में काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। इसकी बिक्री में नौ फीसदी की ईयर ऑन ईयर बेसिस पर बढ़ोतरी हुई है। April 2024 में इसकी कुल 15447 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि बीते साल इसकी कुल 14186 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

Mahindra Scorpio

महिंद्रा की ओर से Scorpio को ऑफर किया जाता है। अपने सेगमेंट में यह एसयूवी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। बीते महीने में इस एसयूवी की कुल 14807 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि April 2023 में इस एसयूवी की 9617 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

Maruti Fronx

मारुति की ओर से Fronx को भी एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी की April 2024 के दौरान 14286 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान इसे 8784 लोगों ने खरीदा था।

कैसा रहा अन्य का हाल

टॉप-5 के साथ ही टॉप-10 में कई और एसयूवी को शामिल किया गया है। टाटा नेक्सन की कुल 11168 यूनिट्स की बिक्री बीते April में हुई। इसके बाद हुंडई वेन्यू 9120, किआ सोनेट 7901, 7756 यूनिट्स के साथ कि हुंडई एक्सटर और 7651 यूनिट्स के साथ मारुति ग्रैंड विटारा की बिक्री देशभर में हुई है।

अप्रैल 2024 में आई गिरावट, जानें किस कंपनी ने की कितनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री

भारतीय के यात्री वाहन सेगमेंट में पेट्रोल डीजल और सीएनजी कारों के अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों की भी मांग रहती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (Fada) की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक April 2024 के दौरान देश भर में कुल कितनी कारों की बिक्री हुई है। किस कंपनी ने कितनी Electric Cars की बिक्री बीते महीने में की है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन से मिली जानकारी के मुताबिक बीते महीने देशभर में अन्य ईंधन वाली कारों के साथ ही Electric Cars सेगमेंट में भी वाहनों की बिक्री हुई है। किस कंपनी की ओर से April 2024 के दौरान कितनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की गई है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

फाडा की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में April 2024 के दौरान कुल 7413 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर यह बढ़ोतरी 22.79 फीसदी की है। लेकिन मंथली बेसिस पर बीते महीने में करीब 22 फीसदी कम इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई है। जबकि April 2023 में देशभर में 6039 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थी, जबकि March 2024 के दौरान यह संख्या 9503 यूनिट्स थी।

Tata Motors EV

टाटा मोटर्स की ओर से April 2024 के दौरान सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की गई। कंपनी की ओर से बीते महीने में कुल 4956 यूनिट्स की बिक्री की गई। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 10.04 फीसदी की ग्रोथ को हासिल किया। लेकिन March के मुकाबले में 9.25 फीसदी कम बिक्री हुई। टाटा मोटर्स के पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक कारों के तौर पर टियागो, पंच, नेक्सन, टिगोर शामिल हैं।

MG Motors

ब्रिटिश कार निर्माता एमजी की ओर से भी भारतीय बाजार में कॉमेट और जेडएस ईवी को ऑफर किया जाता है। बीते महीने कंपनी ने कुल 1203 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की। बिक्री के मामले में एमजी मोटर्स टाटा के बाद दूसरे नंबर पर रही। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 243.71 फीसदी की बढ़त हासिल की है। पिछले साल फरवरी में एमजी मोटर्स ने 350 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की थी।

Mahindra

महिंद्रा की Xuv400 भी इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर भारतीय बाजार में ऑफर की जाती है। कंपनी की इकलौती इलेक्ट्रिक एसयूवी की April 2024 के दौरान 629 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि बीते साल April महीने में इस एसयूवी की 537 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

BYD

चीन की इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवाईडी ने भी April 2024 के दौरान भारतीय बाजार में 138 इलेक्ट्रिक यूनिट्स की बिक्री की है। कंपनी ने पिछले साल इसी अवधि में 164 यूनिट्स की बिक्री की थी।

PCA Automobile

भारतीय बाजार में सिट्रॉएन की ओर से भी Electric Car सेगमेंट में वाहनों की बिक्री होती है। कंपनी ने बीते महीने में 128 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि बीते साल इसी अवधि में कंपनी ने 240 यूनिट्स की बिक्री की थी।

अन्य कंपनियों का कैसा हाल

फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक मर्सिडीज बेंज ने 128, हुंडई ने 85, बीएमडब्ल्यू ने 54, वोल्वो ने 38, किआ ने 20, ऑडी ने 11, पॉर्श ने आठ और अन्य कंपनियों ने 17 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की है।

जटिल परिस्थितियों और ताकतों से उभरते हैं नेता

हरि जयसिंह

आम चुनावों के तीन सप्ताह बीत जाने के बाद, यह इस बात का जायजा लेने का बेहतरीन समय है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां हैं। 2004 से, भारतीय आम चुनाव अप्रैल और मई के बीच आयोजित किए जाते रहे हैं। 2004, 2009, 2014 और 2019 के आंकड़ों से पता चलता है...

आम चुनावों के तीन सप्ताह बीत जाने के बाद, यह इस बात का जायजा लेने का बेहतरीन समय है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां हैं। 2004 से, भारतीय आम चुनाव अप्रैल और मई के बीच आयोजित किए जाते रहे हैं। 2004, 2009, 2014 और 2019 के आंकड़ों से पता चलता है कि मतदान प्रतिशत में गिरावट का रुझान है क्योंकि मतदान मई के गर्म महीने तक बढ़ गया है। उदाहरण के लिए, 2019 में मतदान प्रतिशत अप्रैल में 69.5 प्रतिशत से गिरकर मई में 64.8 प्रतिशत हो गया।

इस साल लोकसभा चुनाव का सातवां और अंतिम चरण 1 जून को है। अब तक, विभिन्न राज्यों में मतदान का प्रतिशत काफी अलग-अलग रहा है। गुजरात में 55 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि कर्नाटक में अधिक 70.4 प्रतिशत मतदान हुआ। हिंदी भाषी राज्यों बिहार और उत्तर प्रदेश में तुलनात्मक रूप से कम मतदाता भागीदारी देखी गई, जहां क्रमशः 56.5 प्रतिशत और 57.3 प्रतिशत मतदान हुआ। हिंदी पट्टी में कम मतदान प्रतिशत ने इसके संभावित प्रभावों के बारे में अटकलें तेज कर दी हैं। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह भाजपा के प्रति घटते उत्साह का संकेत है, हालांकि ऐसे निष्कर्ष जल्दबाजी में निकाले जा सकते हैं।

चुनाव में आगे बढ़ते हुए, भाजपा ने पूरे आत्मविश्वास के साथ 400 सीटों की बात कही। इस संख्या तक पहुंचने के लिए पार्टी को उन जगहों पर अपना समर्थन मजबूत रखना होगा, जहां वह आमतौर पर अच्छा प्रदर्शन करती है और साथ ही नए क्षेत्रों पर जीत हासिल करनी होगी। स्वाभाविक रूप से, योजना कुछ राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने और अधिक हिंदू वोट प्राप्त करने के लिए असम जैसे राज्यों में चीजों को बदलने की थी। चुनावों की शुरुआत के बाद से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे बयान देने लगे हैं, जो उनकी सामान्य बयानबाजी से परे लगते हैं।

6 मई को एक टैलीविजन साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुदाय से भविष्य पर विचार करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि वह मुसलमानों या इस्लाम के प्रति कोई शत्रुता नहीं रखते। उन्होंने कहा- 'दुनिया भर में मुस्लिम समुदाय विकसित हो रहा है... लेकिन भारत में उन्होंने इसे ड्रूषहदू-मुस्लिम के बारे में बना दिया है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, मैं मुस्लिम समुदाय से अपील करना चाहता हूं कि कृपया अपने बच्चों के जीवन के बारे में सोचें। कृपया अपने भविष्य के बारे में सोचें। मैं नहीं चाहता कि कोई भी समुदाय सिर्फ इसलिए बंधुआ मजदूरों की तरह जिए क्योंकि कोई हमेशा डर फैलाता रहता है।'

साक्षात्कार में मोदी ने अपने कार्यों का बचाव किया, सभी समुदायों के लिए अपने समर्थन के सबूत के रूप में तीन तलाक को समाप्त करने, स्वास्थ्य देखभाल लाभ प्रदान करने और कोविड टीकाकरण की सुविधा प्रदान करने की ओर इशारा किया। उन्होंने अल्पसंख्यकों के बीच डर फैलाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और मुसलमानों के खिलाफ पूर्वाग्रह से इंकार किया और सभी नागरिकों के कल्याण पर अपनी सरकार का ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने और विभाजनकारी राजनीति के आगे न झुकने का आग्रह किया।

तेलंगाना में, प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला किया और उन पर लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद अंबानी और अडानी की आलोचना को अचानक बंद करने का आरोप लगाया। मोदी ने इस अचानक बदलाव के पीछे के कारण पर सवाल उठाया और अनुमान लगाया कि क्या यह अघोषित वित्तीय लेनदेन या कांग्रेस पार्टी के साथ गुप्त समझौतों के कारण था? उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि मुस्लिमों को पूर्ण आरक्षण देने की उनकी मंशा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सिद्धांतों के विपरीत है। विवादास्पद मुद्दा यह है- क्या प्रधानमंत्री को यह महसूस हो रहा है कि उनकी पार्टी की बड़ी जीत की राह जितनी प्रतीत होती है उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है? वह बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और आय असमानता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान क्यों भटका रहे हैं। चिलचिलाती गर्मी के अलावा, आम नागरिक तेजी से निराशा व्यक्त कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही निरर्थक बयानबाजी के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं।

2024 के चुनावों के लिए जनमत सर्वेक्षणों में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) 330 से 390 सीटों के अनुमान के साथ महत्वपूर्ण अंतर से जीतेगा। हालांकि, विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि पिछले सर्वेक्षण कभी-कभी गलत रहे हैं। यह 2004 में भी स्पष्ट हुआ था, जब भाजपा के आत्मविश्वास और 'इंडिया शाइङ्क्रूषनग' अभियान के बावजूद एन.डी.ए. को चुनाव में अनुमान के मुताबिक जीत हासिल नहीं हुई थी। लखनऊ में चुनाव प्रचार से लौटने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने सहयोगी शिव कुमार पारीक से बात करते हुए कहा था- 'सरकार तो गई। हम हार रहे हैं।' अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेता दुर्लभ हैं, वह कभी भी निम्न स्तर की राजनीति में नहीं उतरे। उनकी विरासत प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से आगे तक फैली हुई है। उन्होंने एक विपक्षी नेता का अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया, जो आजकल गायब है। वह हमारी आजादी के बाद से महत्वपूर्ण क्षणों में सरकारों के साथ खड़े रहे, जिसमें नरसिम्हा राव सरकार का समर्थन करना भी शामिल था, जब भारत को संयुक्त राष्ट्र में एकीकृत मोर्चे की आवश्यकता थी।

भारत का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, जो सुविधा, धर्म और जाति की गतिशीलता से प्रेरित है, अवसरवादी नेताओं को जन्म देता है, जो राजनीति को धन-संचालित वोट बैंक व्यवसाय में बदल देता है। यह त्रुटिपूर्ण चुनावी प्रणाली इस मुद्दे का मूल कारण है। यक्ष प्रश्न बना हुआ है- हम यहां से कहां जाएं? हमें ऐसे नेता कैसे मिलेंगे, जो तूफान का सामना कर सकें और देश को आगे बढ़ा सकें? आखिरकार, एक नेता कोई उपभोक्ता उत्पाद नहीं है, जिसे किसी कारखाने में 'ऑर्डर-टू-ऑर्डर' आधार पर उत्पादित किया जाए, वे जटिल परिस्थितियों और ताकतों से उभरते हैं। वे व्यक्तिगत या पार्टी हितों से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देते हैं। जैसे-जैसे हम इस चुनावी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, आइए हम ऐसे नेताओं के उभरने के प्रति आशान्वित रहें।

संपादक की कलम से

कभी नहीं भूलेंगे सुरजीत पातर

11 मई 2024 की सुबह को मां बोली पंजाबी को उदास करके पंजाबी कविता का सूरज सदा-सदा के लिए छिप गया। हमारे सिरमौर शायर पद्मश्री सुरजीत पातर पंजाब सरकार की आर्ट्स काउंसिल चंडीगढ़ के मौजूदा चेयरमैन भी थे। डा. पातर लम्बे समय तक कृषि विश्वविद्यालय में अध्यापक रहे। बहुत बड़ा नाम था दुनिया भर में डा. सुरजीत पातर का। वह पंजाबी शायरी को बहुत दूर तक लेकर गए। लगभग सभी भारतीय भाषाओं में उनकी कविताओं का अनुवाद हुआ। लोगों के मनों में बसे हुए शायर थे। जालंधर जिले का गांव पत्तड़ कलां उनका पुश्तैनी गांव था। उनकी सभी किताबें प्रसिद्ध हुईं। कविता के साथ-साथ उन्होंने गीत भी लिखे तथा हंसराज हंस जैसे फनकार सहित अन्य कइयों ने उनके गीत गाए। भारतीय साहित्य अकादमी अवार्ड भी मिला तथा भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से भी उन्हें नवाजा गया था।

मेरी उनसे पहली मुलाकात 1994 में हुई और लगातार 30 वर्ष के अर्से तक उनके साथ साहित्यिक सांझ बनी रही। 5 वर्ष से अधिक समय उनके साथ पंजाब आर्ट्स काउंसिल में बतौर मीडिया अधिकारी भी काम किया। वह कवि तो कमाल के थे ही मगर एक नेक इंसान के तौर पर भी उनमें कोई कमी नहीं थी। बहुत कम समय ऐसे आए जब उन्हें गुस्से में देखा। सौम्य स्वभाव वाले पातर शांत मन रह कर निरंतर साहित्य रचना करते रहते थे। भोजन हिसाब से और बहुत कम खाते थे। वह अक्सर ही सफर में रहते। अपने निधन से एक दिन पहले ही बरनाला में साहित्यिक समारोह की अध्यक्षता करके आए थे। काफी पहले स्टेंट भी पड़े थे और बाईपास सर्जरी भी हुई थी। इन दिनों उनका शरीर कमजोर पडने लग पड़ा था।

डा. सुरजीत पातर की कविता समय का सच पेश करती थी और वह गहरी चोट भी समाज के विभिन्न बुरे व्यवहारों पर करते रहे। उनमें एक बड़ा गुण यह भी था कि वह हर नए लेखक को आगे बढने के लिए प्रोत्साहित भी करते थे और इस तरह उन्होंने अनगिनत नए लेखकों की पुस्तकों की भूमिकाएं लिखकर उन्हें हौसला तथा प्रोत्साहन दिया। डा. पातर बहुत से मुलकों में भी गए और मां बोली के प्रचार-प्रसार में योगदान देते रहे। डा. पातर के परिवार की बात करें तो उनकी पत्नी भूपिन्द्र कौर तथा 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा अंकुर पातर आस्ट्रेलिया में रह रहा है तथा छोटा मनराज सिंह अध्यापक है और गायक भी बढिया है। डा. पातर ने अपने सारे परिवार को कला तथा साहित्य के साथ नजदीक से जोड़ कर रखा था। समय-समय की सरकारें डा. पातर से साहित्य तथा संस्कृति बारे सलाहें भी लेती रहीं। हर राजनीतिक दल का छोटा-बड़ा नेता दिल से उनकी कद्र करता था।

वह तरन्नुम में अपनी शायरी पेश करके पंडाल में बैठे अनगिनत श्रोताओं को मोह लेते थे। बड़ी-बड़ी साहित्यिक महफिलों, कांफ्रैंसों तथा सैमीनारों का शृंगार पात्तर किसी अजनबी को भी बेगाना नहीं लगता था। हमेशा नीचे सुर में अदब से बात करते थे। डा. सुरजीत पातर का विछोड़ा हर पाठक, सभी कलमकारों तथा कलाकारों को बेहद उदास कर गया। लगता है कि वह कहीं नहीं गए, अभी हमारे पास वापस आ जाएंगे।

-निंदर घुगियाणवी

चिंतन

प्रशिक्षित नर्सों की कमी से जूझ रहे कई देश

समाज के लिए नर्सों के योगदान को चिन्हित करने के लिए प्रतिवर्ष 12 मई को विश्व नृसग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की स्मृति में दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' का आयोजन किया जाता है।इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, देखभाल की...

समाज के लिए नर्सों के योगदान को चिन्हित करने के लिए प्रतिवर्ष 12 मई को विश्व नृसग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की स्मृति में दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, देखभाल की आर्थिक शक्ति' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय के निर्धारण का उद्देश्य नर्सिंग और इसके महत्व के बारे में लोगों की धारणाओं को बदलना है। दरअसल नृसग प्रायः वित्तीय सहायता की कमी के कारण बाधित होती है, इसलिए यह विषय इसे बदलने में मदद करने के प्रयासों के लिए निर्धारित है। यह विषय कोरोना महामारी से सीखे गए सबक पर भी आधारित है और उभरती चुनौतियों से निपटने तथा विश्वभर में स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने की वैश्विक आकांक्षाओं को रेखांकित करता है।

नर्सों की सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने हेतु भारत में परिवार एवं कल्याण मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की शुरूआत की गई थी, जिसका वितरण प्रतिवर्ष इसी दिन किया जाता है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष देश में महामहिम राष्ट्रपति नर्सिंग कर्मियों को उनकी ईमानदारी, समर्पण तथा करुणा के साथ प्रदान की गई निःस्वार्थ सेवा हेतु इस पुरस्कार से सम्मानित करते हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 1973 से लेकर अब तक 250 से भी अधिक नर्सों को इस पुरस्कार से सम्मानित कर चुका है। इस पुरस्कार में 50 हजार रुपए नकद, प्रशस्ति पत्र तथा मैडल प्रदान किया जाता है।

ऑस्ट्रेलिया, अमरीका तथा कनाडा जैसे कई देशों में तो 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' का आयोजन पूरे एक सप्ताह तक किया जाता है। वास्तव में यह दिवस स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सों के योगदान को सम्मानित करने तथा उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का पहला प्रस्ताव 1953 में डोरोथी सुथरलैंड (यू.एस. स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण विभाग) द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसे अमरीकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजेनहोवर द्वारा मान्यता प्रदान की गई थी। 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' पहली बार 1965 में इंटरनैशनल काऊंसिल ऑफ नर्सेस (आई.सी.एन.) द्वारा मनाया गया और जनवरी 1974 से यह प्रतिवर्ष 12 मई को नोबेल नृसग सेवा की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाने लगा, जिनका जन्म 12 मई, 1820 को हुआ था।

अस्पतालों में भर्ती मरीजों की चौबीसों घंटे देखभाल का उत्तरदायित्व नर्सों पर ही रहता है। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती है कि वे रोगियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उनकी बीमारी को नियंत्रित करने में मित्रवत व्यवहार करें तथा उनके प्रति स्नेहशीलता का परिचय दें। यही कारण है कि रोगियों की उचित देखभाल के लिए नर्सों का शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक स्तर पर शिक्षित, प्रशिक्षित तथा अनुभवी होना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। नर्सिंग एक ऐसा कार्यक्षेत्र है, जिससे जुड़े लोग कभी बेरोजगार नहीं रहते। सरकारों व निजी अस्पतालों, सैन्य बलों, नर्सिंग होम, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में ऐसे लोगों को रोजगार उपलब्ध हो ही जाता है।

दुनिया में अधिकांश देशों में आज भी प्रशिक्षित नर्सों की भारी कमी चल रही है लेकिन विकासशील देशों में यह कमी और भी अधिक देखने को मिल रही है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अच्छे वेतनमान और सुविधाओं के लालच में आज भी विकासशील देशों से बड़ी संख्या में नर्सें विकसित देशों में नौकरी के लिए जाती हैं, जिससे विकासशील देशों को प्रशिक्षित नर्सों की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विकसित देश अपने यहां नर्सों की कमी को अन्य देशों से नर्सों को बुलाकर पूरा कर लेते हैं और उनको वहां पर अच्छा वेतन और सुविधाएं देते हैं, जिस कारण नर्सें विकसित देशों में जाने में देरी नहीं करतीं।

दूसरी ओर विकासशील देशों में नर्सों को अधिक वेतन और सुविधाओं की कमी रहती है और आगे का भविष्य भी अधिक उज्ज्वल नहीं दिखाई देता, जिस कारण वे विकसित देशों के बुलावे पर नौकरी के लिए चली जाती हैं। किसी भी देश में नर्सों की कमी उस देश की खराब चिकित्सा व्यवस्था बारे बताती है। नर्सों की कमी का सीधा प्रभाव नवजात शिशु और बाल मृत्यु दर पर पड़ता है। दरअसल अब सरकारी अस्पतालों में नर्सों को अच्छा वेतन और अन्य सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे उनकी स्थिति सुदृढ़ हुई है और यही कारण है कि भारत से प्रशिक्षित नर्सों का पलायन काफी हद तक रुका है।

भारत में विदेशों के लिए नर्सों के पलायन में कमी आने के बावजूद रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण रोगी और नर्स के अनुपात में अंतर बढ़ा है। देश में इस समय करीब 1100 की आबादी पर एक नर्स है। हालांकि विश्वभर में प्रशिक्षित नर्सों की मांग को देखते हुए भारत में भी युवाओं का इस पेशे की ओर रुझान काफी बढ़ा है। कुछ समय पहले तक नृसग क्षेत्र पर महिलाओं का ही एकाधिकार माना जाता था लेकिन अब महिलाओं के साथ पुरुष भी इस क्षेत्र में भागीदारी कर रहे हैं। नर्सिंग न केवल दुनियाभर में एक सम्मानजनक पेशा माना जाता है, बल्कि इसे दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि सरकारों द्वारा भी नृसग सैक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और अब देशभर में कई और जनरल नृसग मिडवाइफरी (जी.एन.एम.) तथा ऑग्जिलरी नृसग मिडवाइफरी (ए.एन.एम.) कॉलेज खोले जाने की योजना है ताकि देश में प्रशिक्षित नर्सों की कमी को पूरा किया जा सके।

-योगेश कुमार गोयल

एक 'मजबूत' नेता को झूठ क्यों बोलना चाहिए?

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, एक स्व-घोषित 'मजबूत' नेता हैं। वह अक्सर 56 इंच के सीने का दावा करते थे। उनके अनुयायी खान मार्केट गुट को नियंत्रित करने, शहरी नक्सलियों को उखाड़ फैंकने, टुकड़े-टुकड़े गैंग को खत्म करने, पाकिस्तान को सबक सिखाने, ...

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, एक स्व-घोषित 'मजबूत' नेता हैं। वह अक्सर 56 इंच के सीने का दावा करते थे। उनके अनुयायी खान मार्केट गुट को नियंत्रित करने, शहरी नक्सलियों को उखाड़ फैंकने, टुकड़े-टुकड़े गैंग को खत्म करने, पाकिस्तान को सबक सिखाने, सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में अंग्रेजी को खत्म करने, मुख्यधारा के मीडिया को अपने अधीन करने और भारत की विश्वगुरु के रूप में अनुमानित स्थिति की ओर इशारा करते हैं। एक मजबूत नेता, 303 सीटें और 12 मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्यों में प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, अकेले भाजपा के लिए 370 (और एन.डी.ए. के लिए 400+) की ओर बढना आसान हो जाना चाहिए था। हालांकि, जैसा कि भाजपा नेता निजी तौर पर स्वीकार करते हैं, 370 या 400+ अब हासिल नहीं किया जा सकता और अगर भाजपा साधारण बहुमत जीतती है तो उन्हें खुशी होगी।

गियर क्यों बदलें? : श्री मोदी ने अपना अभियान आत्मविश्वास और दृढ़ता से शुरू किया। कांग्रेस का घोषणापत्र 5 अप्रैल, 2024 को जारी किया गया था, श्री मोदी ने तिरस्कारपूर्वक इसे नजरअंदाज कर दिया। भाजपा का घोषणापत्र 14 अप्रैल को जारी किया गया था लेकिन इसकी सामग्री को प्रचारित करने के लिए कोई उत्सव या प्रयास नहीं किया गया। घोषणापत्र का नाम मोदी की गारंटी था। इसकी सामग्री को दरकिनार करते हुए, जब भी श्री मोदी ने किसी रैली में कोई बयान दिया, तो उन्होंने इस घोषणा के साथ समाप्ति की, 'यह मोदी की गारंटी है'। मैं मोदी की गारंटियों की संख्या गिनना भूल गया हूं। हालांकि, जो बात सामने आई, वह यह है कि श्री मोदी ने इसके बारे में कोई गारंटी नहीं दी- बेरोजगारों के लिए रोजगार पैदा करना या बढ़ती महंगाई पर काबू पाना, जो आम लोगों की दो सबसे बड़ी चिंताएं हैं। श्री मोदी ने जानबूझकर सांप्रदायिक सौहार्द, विकास, कृषि संकट, औद्योगिक बीमारी, बहुआयामी गरीबी, वित्तीय स्थिरता, राष्ट्रीय ऋण, घरेलू ऋण, शैक्षिक मानक, स्वास्थ्य देखभाल, चीनी कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र या सैंकड़ों अन्य गंभीर चिंताओं के बारे में बात नहीं की, जैसा कि एक प्रधानमंत्री को चुनाव के दौरान करना चाहिए।

19 अप्रैल को 102 सीटों पर पहले चरण का मतदान पूरा हो गया। संभवतः, 21 अप्रैल को श्री मोदी ने राजस्थान के जालौर और बांसवाड़ा में सार्वजनिक रैलियों में कांग्रेस पर पूरे पैमाने पर हमला बोल दिया। श्री मोदी ने कहा, ''कांग्रेस वामपंथियों और शहरी नक्सलियों के चंगुल में फंस गई है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जो कहा है, वह गंभीर और ड्रूषचताजनक है। उन्होंने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनी तो हर व्यक्ति की संपत्ति का सर्वे कराया जाएगा। हमारी बहनों के पास कितना सोना है, सरकारी कर्मचारियों के पास कितना पैसा है, इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा है कि हमारी बहनों का सोना समान रूप से वितरित किया जाएगा। क्या सरकार को आपकी संपत्ति लेने का अधिकार है?'' हम केवल अनुमान लगा सकते हैं कि 19 से 21 अप्रैल के बीच श्री मोदी को कुछ जानकारी (खुफिया) प्राप्त हुई, जिसने उन्हें गियर बदलने के लिए मजबूर कर दिया।

झूठ और अधिक झूठ क्यों? : ऊपर दिए गए अंश में प्रत्येक आरोप झूठ है। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, झूठ बड़ा और अधिक अपमानजनक होता गया। संपत्ति से लेकर सोने तक, मंगलसूत्र से लेकर स्त्रीधन से लेकर मकान तक, श्री मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उन्हें जब्त कर लेगी और मुसलमानों, घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वाले लोगों को वितरित कर देगी। एक अन्य रैली में, श्री मोदी धर्म-आधारित कोटा और विरासत कर पर कूद पड़े। झूठ का कोई अंत नहीं था। श्री मोदी ने 'भैंसों पर विरासत कर' जैसा 'आर्थिक रत्न' भी उछाला और कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास दो भैंसें हैं तो एक छीन ली जाएगी। तात्कालिक उद्देश्य स्पष्ट था, कि यह भारतीय मुसलमानों को काले रंग से दागना और मतदाताओं का ध्रुवीकरण तथा हिंदू मतदाताओं को एकजुट करना था।

प्रधानमंत्री ने कौन से झूठ बोले हैं यह तो महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि प्रधानमंत्री ऐसे झूठ क्यों बोल रहे हैं। ध्यान दें, यह एक झूठ नहीं है, यह झूठों की एक शृंखला है और झूठ जारी है। एक प्रधानमंत्री, जो 370 या 400+ सीटें जीतने के प्रति आश्वस्त था, वह अपने विरोधियों के बारे में लापरवाही से झूठ नहीं बोलेगा। वह विपक्षी दलों को अपने रिकॉर्ड पर बहस में शामिल होने की चुनौती देंगे। मुख्य युद्धक टैंक के रूप में श्री मोदी का झूठ चुनना (उनका रिकॉर्ड नहीं) एक रहस्य है, जिसे सुलझाया जाना है।

आत्म-संदेह क्यों? : मान लीजिए कि श्री मोदी को ई.वी.एम. में बंद रहस्यों का पता था। उनके पास ड्रूषचता करने के कारण हो सकते हैं क्योंकि जमीनी हालात 2019 की स्थिति से बहुत अलग हैं। सबसे पहले, श्री मोदी चुनाव की कहानी तय करने में सक्षम नहीं हैं। वह बहस की शुरुआत नहीं कर रहे हैं, वह कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, भले ही वह काल्पनिक हो। दूसरे, वह अपने वादे को कांग्रेस के वादे से मिलाने और मतदाताओं का ध्यान खींचने में सक्षम नहीं हैं। तीसरा, लोग भाजपा के थकाऊ नारों से नाराज हैं लेकिन श्री मोदी अच्छे दिन आने वाले हैं जैसा कोई नया नारा गढने में सक्षम नहीं हैं। चौथा, कम मतदान प्रतिशत ने उन्हें परेशान कर दिया होगा क्योंकि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उनके वफादार मतदाता मतदान केंद्रों पर नहीं आए। अंततः, बूथों पर आर.एस.एस. स्वयंसेवकों की अनुपस्थिति और आर.एस.एस. के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी ने भाजपा खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी।

संभावना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को महत्वपूर्ण लाभ होगा। क्या इस तरह के 'लाभ' से भाजपा को 'शुद्ध घाटा' होगा, यह लाख टके का सवाल है। यह संभव है कि श्री मोदी भी अधिक यथार्थवादी दृष्टिकोण सांझा करते हैं कि 2024 का चुनाव किसी भी राज्य में (गुजरात के संभावित अपवाद को छोड़कर) सभी के लिए विजेता का चुनाव नहीं है। श्री मोदी ने शायद यह निष्कर्ष निकाला है कि उन्हें मायावी लाभ को नहीं बल्कि संभावित शुद्ध घाटे को गिनना चाहिए। हो सकता है कि उस विचार ने उन्हें चिंता में डाल दिया हो और चिंता झूठ में तबदील हो रही हो। मैं यह अनुमान नहीं लगा सकता कि लोग किस तरह से मतदान करेंगे लेकिन मुझे विश्वास है कि लोग श्री मोदी के झूठ को समझ सकते हैं और लोग आश्चर्य करते हैं कि एक 'मजबूत' नेता को झूठ क्यों बोलना चाहिए।

-पी. चिदम्बरम

FY24 में भारत ने चीन के साथ सबसे ज्यादा किया व्यापार, दूसरे नंबर पर खिसका अमेरिका

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार (Trading Partner) चीन रहा। भारत के इकोनॉमिक थिंक टैंक- GTRI के डेटा के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में भारत और चीन के बीच दोतरफा व्यापार करीब 118.4 अरब डॉलर का रहा। यह भारत और अमेरिका के दरम्यान हुए व्यापार की तुलना में थोड़ा अधिक है। आइए जानते हैं कि बाकी देशों के साथ भारत का व्यापार कैसा रहा।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार (Trading Partner) चीन रहा। भारत के इकोनॉमिक थिंक टैंक- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के डेटा के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में भारत और चीन के बीच दोतरफा व्यापार करीब 118.4 अरब डॉलर का रहा। यह भारत और अमेरिका के दरम्यान हुए व्यापार (118.3 अरब डॉलर) की तुलना में थोड़ा अधिक है। हालांकि, अमेरिका वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा था।

चीन के साथ कितना बढ़ा व्यापार?

GTRI का डेटा बताता है कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत का चीन को निर्यात 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चीन को निर्यात बढ़ाने में भारत के लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम की अहम भूमिका रही।

अगर चीन से आयात की बात करें, तो इसमें 3.24 फीसदी का उछाल आया और यह 101.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत चीन से ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक सामान, न्यूक्लियर रिएक्टर्स, बॉयलर, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक का सामान, फर्टिलाइजर, गाड़ियों से जुड़ा सामान, केमिकल प्रोडक्ट्स, आयरन एंड स्टील, आयरन एंड स्टील का सामान और एलुमिनियम खरीदता है।

अमेरिका से आयात-निर्यात घटा

वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिका को निर्यात 1.32 प्रतिशत घटकर 77.5 अरब डॉलर पर आ गया। अगर आयात पर गौर करें, तो इसमें करीब 20 फीसदी की गिरावट आई है और 40.1 अरब डॉलर पर आ गया।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) का कहना है कि वित्त वर्ष 2019 से वित्त वर्ष 2024 तक भारत के शीर्ष 15 व्यापारिक भागीदारों के साथ कारोबार में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। इससे ज्यादातर सेक्टर के आयात और निर्यात कमी या इजाफा देखने को मिला है।

इस दौरान चीन को निर्यात में 0.6 फीसदी की मामूली गिरावट आई और16.66 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, चीन से आयात में 44.7 फीसदी का इजाफा हुआ और यह 70.32 अरब डॉलर से बढ़कर 101.75 अरब डॉलर हो गया।

'भारत के निर्यात और आयात में बड़ा अंतर होने की वजह से चीन के साथ व्यापार घाटा (Trade Deficit) भी बढ़ गया है। यह वित्त वर्ष 2019 में 53.57 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024 तक 85.09 अरब डॉलर पहुंच गया।

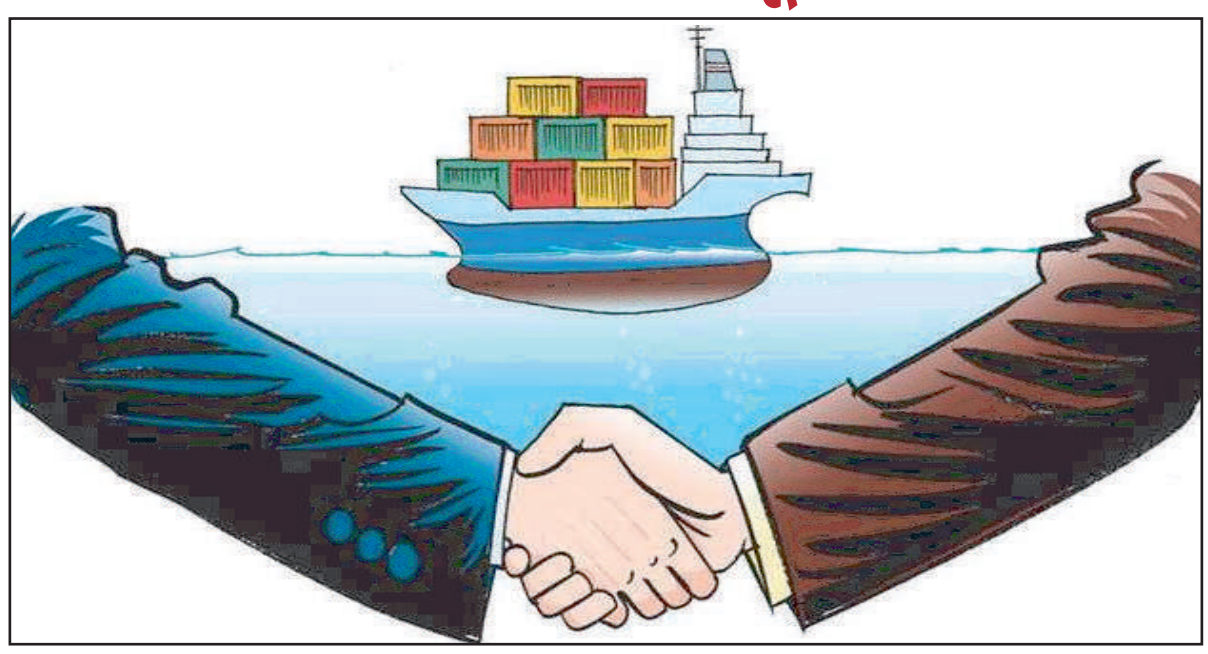

यह भारत के लिए चिंता की बात है, क्योंकि हमारा निर्यात तकरीबन स्थिर है, लेकिन आयात में भारी उछाल आया है।'

अमेरिका के साथ सही है हिसाब

चीन के उलट अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अच्छा चल रहा है। वित्त वर्ष 2019 से वित्त वर्ष 2024 के बीच अमेरिका को भारत का निर्यात 47.9 फीसदी बढ़कर 77.52 अरब डॉलर हो गया। वहीं, अमेरिका से आयात भी 14.7 फीसदी बढ़कर 40.78 अरब डॉलर हो गया। इससे अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस भी बढ़ा और यह 16.86 अरब डॉलर से बढ़कर 36.74 अरब डॉलर हो गया।

चीन बड़ा व्यापारिक भागीदार

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीन 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। चीन से पहले संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर था। वहीं, 2021-22 और 2022-23 में भारत ने अमेरिका के साथ सबसे अधिक व्यापार किया।

2023-24 में, 83.6 अरब डॉलर के साथ संयुक्त अरब अमीरात, भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। इसके बाद रूस (65.7 अरब डॉलर), सऊदी अरब (43.4 अरब डॉलर) और सिंगापुर (35.6 अरब डॉलर) का स्थान रहा।

क्या होता है व्यापार घाटा

व्यापार घाटा (Trade Deficit) का मतलब है कि कोई देश अपने व्यापारिक भागीदार को सामान कम बेच पा रहा है, लेकिन उससे खरीदा ज्यादा रहा है। अगर कोई अपने व्यापारिक भागीदार से 100 रुपये का सामान खरीद रहा है, लेकिन बेच सिर्फ 40 रुपये का रहा है, तो उसे 60 रुपये का व्यापार घाटा होगा। जैसा कि भारत और चीन के मामले में है।

लेकिन, अगर कोई देश सामान अधिक बेचता है, लेकिन अपने ट्रेड पार्टनर खरीदारी कम करता है, तो उसके नजरिए से इसे व्यापार अधिशेष (Trade Surplus) कहते हैं। जैसा कि अमेरिका से कम सामान खरीद रहा है, लेकिन उसे बेच अधिक रहा है।

कब आएगा जोमैटो का तिमाही नतीजा, क्या डिविडेंड का होगा एलान?

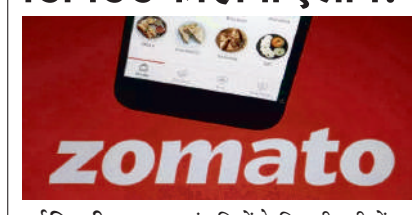

नई दिल्ली। इस वक्त कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में कई कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजों का एलान किया और कई करने वाली हैं। इनमें ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो भी है, जिसके शेयरों ने पिछले कुछ समय में शानदार रिटर्न दिया है।

कब आएगा जोमैटो का रिजल्ट?

जोमैटो लिमिटेड ने 7 मई को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 13 मई को होने वाली है। इसमें वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाता है और उसे मंजूरी दी जाती है। अगर कंपनी कोई डिविडेंड देने वाली होती है, तो उसका भी एलान इसी मीटिंग में किया जाता है। अब तक जोमैटो ने एक भी डिविडेंड नहीं दिया है। जोमैटो अपनी अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल भी उसी दिन यानी 13 मई को शाम पांच बजे करेगी। इसमें कंपनी के वित्तीय नतीजों पर चर्चा होगी।

कैसा रहेगा तिमाही नतीजा?

एनालिस्टों का अनुमान है कि जोमैटो के रेवेन्यू में मामूली इजाफा होगा और यह 4,130 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो तीसरी तिमाही में Rs 4,023 करोड़ रुपये था। इसमें 2.7 फीसदी की मामूली वृद्धि की उम्मीद है। जोमैटो का टैक्स के मुनाफा 4 फीसदी घटकर 537 करोड़ रुपये तक आ सकता है।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आई थी भारी गिरावट, इस हफ्ते कैसा रहने वाला है माहौल?

पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी गई है। इस हफ्ते भी बाजार में उतार-चढ़ाव बरकरार रहने की संभावना है। खासकर लोकसभा चुनाव से जुड़ी अनिश्चितता के साथ महंगाई और जीडीपी से जुड़े कई महत्वपूर्ण डेटा की संभावना को देखते हुए।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी गई है। इस हफ्ते भी बाजार में उतार-चढ़ाव बरकरार रहने की संभावना है। आइए जानते हैं कि इस हफ्ते किन फैक्टर से बाजार की चाल पर असर पड़ सकता है।

कंपनियों के तिमाही नतीजे

भारतीय कंपनियां लगातार अपने तिमाही नतीजे जारी कर रही हैं। यह सिलसिला इस हफ्ते भी बरकरार रहेगा। प्रमुख कंपनियों की बात करें, तो डीएलएफ, जोमैटो, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा तिमाही नतीजे आने वाले हैं। इन कंपनियों के नतीजों के आधार पर ही निवेशक अपने पोर्टफोलियो की रुपरेखा तय करेंगे कि किन शेयरों को रखना है और किन्हें बेचकर निकलना है।

भारत के महंगाई आंकड़े

इस हफ्ते के दौरान भारत के साथ अमेरिका से भी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) आधारित इंफ्लेशन डेटा आएंगे। साथ ही, जापान के जीडीपी आंकड़ों और अमेरिका के फेडरल रिजर्व के बयानों पर भी नजर रहेगी। शुक्रवार को चीन से मेटल से जुड़ा पॉजिटिव डेटा आने के बाद हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में भारी उछाल दिखा था। ऐसे में ये फैक्टर भी शेयर बाजार के लिए काफी अहम होंगे।

चुनावी हलचल पर नजर

भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव के चलते भी शेयर बाजार में अस्थिरता दिख रही है। यही वजह है कि विदेशी निवेशकों ने बिकवाली भी तेज कर दी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने का कहना है कि लोकसभा चुनाव से जुड़ी अनिश्चितताओं के चलते घरेलू बाजार में मौजूदा रुझान फिलहाल जारी रहने की संभावना है। निवेशक अतिरिक्त सावधानी बरत सकते हैं।

इन फैक्टर्स के अलावा कच्चे तेल का दाम और रुपया-डॉलर का रुख भी बाजार की दिशा तय करेगा। साथ ही, निवेशकों की नजर भूराजनीतिक गतिविधियों पर भी बनी रहेगी।

40000 सिम कार्ड, 180 से ज्यादा मोबाइल; ऐसे करता था ऑनलाइन ट्रेडिंग में फ्रॉड

पिछले कुछ साल से भारतीय शेयर बाजार तगड़ा रिटर्न दे रहा है। ऐसे में बहुत से नए लोग भी शेयर बाजार में पैसा लगाने लगे हैं जो इसकी बारीकियों को नहीं जानते। साइबर अपराधियों को नजरें फ्रॉड करने के लिए इसी तरह के लोगों को ढूंढती है। इस बारे में मार्केट रेगुलेटर सेबी लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। लेकिन जालसाज नए-नए हथकंडे अपनाकर लोगों को फंसा रहे हैं।

नई दिल्ली। पिछले कुछ साल से भारतीय शेयर बाजार तगड़ा रिटर्न दे रहा है। ऐसे में बहुत से नए लोग भी शेयर बाजार में पैसा लगाने लगे हैं, जो इसकी बारीकियों को नहीं जानते। साइबर अपराधियों को नजरें फ्रॉड करने के लिए इसी तरह के लोगों को ढूंढती है। खासकर, फेसबुक, टेलीग्राम और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके। इस बारे में मार्केट रेगुलेटर सेबी लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। लेकिन, जालसाज नए-नए हथकंडे अपनाकर लोगों को फंसा रहे हैं।

बायोमीट्रिक रीडर भी जब्त

केरल में ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड के एक मामले में मलप्पुरम पुलिस की साइबर अपराध यूनिट ने एक शख्स को 40 हजार से अधिक सिम कार्ड और 180 मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास छह बायोमेट्रिक रीडर भी मिले। आरोपी अब्दुल रोशन कर्नाटक के कोप्पा का रहने वाला है। उसे मलप्पुरम के एक शख्स की शिकायत पर पकड़ा गया।

उस शख्स का आरोप था कि अब्दुल रोशन ने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर अपने जाल में फंसाया और 1.08 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। विक्टिम को फेसबुक पर शेयर मार्केट वेबसाइट का एक लिंक मिला। उस पर क्लिक करने के बाद ही उनके बुरे दिन शुरू हो गए। उन्हें जालसाजों ने अपने जाल में फंसा लिया।

जालसाजों ने कैसे फंसाया?

साइबर अपराधियों ने खुद को शेयर मार्केट साइट के ग्राहक सेवा प्रतिनिधि के तौर पर पेश किया। उन्होंने पीड़ित को भारी रिटर्न और डिविडेंड का लालच दिखाकर भारी रकम वसूली। जब भी उस शख्स को 1 करोड़ से ज्यादा 'निवेश' करने के बाद कोई रिटर्न या डिविडेंड नहीं मिला, तो उसने सीधे साइबर पुलिस से शिकायत की।

पुलिस ने इस मामले को काफी गंभीरता से लिया। कर्नाटक पुलिस ने भी मलप्पुरम पुलिस की काफी मदद की और वे मिलकर आरोपी तक पहुंच गए, जो कर्नाटक के कोटक जिले में एक किराये के कमरे में छिपा था।

बड़ा हो सकता है मामला

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मामला काफी बड़ा हो सकता है और इसमें कई लोगों के शामिल होने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों से ओटीपी हासिल करने के लिए फोन और सिम कार्ड का इस्तेमाल किया। आरोपी अब्दुल रोशन के नेटवर्क से जुड़ी मोबाइल शॉप अपने ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी अंगुलियों के निशान ले लेती थीं और फिर उसका इस्तेमाल सिम कार्ड को एक्टिव करने के लिए करती थीं।

अब्दुल रोशन ने ऐसे सिम कार्ड 50 रुपये में खरीदे। इससे पहले राज्य में किसी भी ऑनलाइन फ्रॉड के लिए इतनी बड़ी संख्या में सिम कार्ड का इस्तेमाल नहीं हुआ था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अब्दुल रोशन और उसके फ्रॉड के शिकार लोगों की संख्या कितनी बड़ी भी हो सकती है।

मुनाफावसूली के चलते गोल्ड ETF में 12 महीने बाद निकासी, अप्रैल में निवेशकों ने निकाले 396 करोड़

मुनाफावसूली के चलते गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेट फंड) से अप्रैल में 12 महीने बाद 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई है। गोल्ड ईटीएफ से मार्च 2023 के बाद यह पहली निकासी है। इससे पहले मार्च 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ 373 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ था। मार्च 2023 में गोल्ड ईटीएफ से 226 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के चलते गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेट फंड) से अप्रैल में 12 महीने बाद 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई है। गोल्ड ईटीएफ से मार्च 2023 के बाद यह पहली निकासी है। इससे पहले मार्च 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ 373 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ था। मार्च 2023 में गोल्ड ईटीएफ से 226 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एमएफएफआई) के डेटा के अनुसार, शुद्ध निकासी के बावजूद अप्रैल में गोल्ड फंड्स का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये रहा है जो इसी वर्ष मार्च के अंत में 31,224 करोड़ रुपये था। डेटा के अनुसार, पूरे कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 2,920 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था, जो 2022 के 459 करोड़ के मुकाबले काफी ज्यादा था।

पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ के फोलियो (खातों) की संख्या में भी एक लाख से ज्यादा की वृद्धि रही है। अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने वाले फोलियो की संख्या 51.84 लाख रही है जो मार्च के अंत में 50.61 लाख थी।

इक्विटी के मुकाबले कमजोर रहा सोना

मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के विश्लेषक मेल्विन सेंटारिटा का कहना है कि पिछले एक वर्ष के दौरान सोने ने भारतीय रुपये के संदर्भ में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, यह इक्विटी के मुकाबले कम रहा है। इसको देखते हुए इक्विटी के सापेक्ष गोल्ड ईटीएफ में निवेश कुछ हद तक कमजोर रहा है। निवेशकों ने इस निवेश श्रेणी में कुछ मुनाफा बुक करने का विकल्प चुना है। इसका परिणाम यह है कि कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद शुद्ध निकासी दर्ज की गई है। जेरोधा फंड हाउस के सीईओ विशाल जैन का कहना है कि गोल्ड ईटीएफ में निवेश से लिक्विडिटी, लागत-प्रभावशीलता और सुरक्षा जैसे लाभ मिलते हैं।

दिसंबर 2019 के मुकाबले छह गुना बढ़ा एयूएम

गोल्ड ईटीएफ के एयूएम में दिसंबर 2019 के मुकाबले करीब छह गुना की वृद्धि रही है। दिसंबर 2019 में इसका एयूएम 5,528 करोड़ रुपये था, जो अप्रैल 2024 में बढ़कर 31,224 करोड़ रुपये हो गया है। दिसंबर 2023 में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 25,959 करोड़ रुपये था।

शीर्ष-10 में से छह कंपनियों का पूंजीकरण घटा

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के चलते बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.73 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 60,678.26 करोड़ रुपये की कमी हुई है। इसके अलावा एलआइसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ और आइटीसी का पूंजीकरण भी घटा है। दूसरी ओर एचयूएल, टीसीएस, भारती एयरटेल और इन्फोसिस का पूंजीकरण बढ़ा है।

अदानी एंटरप्राइजेज करेगा 80,000 करोड़ रुपये का निवेश, इन दो बिजनेस पर रहेगा ज्यादा फोकस

अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी (Gautam Aadani) का अदाणी ग्रुप (Adani Group) लगातार नए प्रोजेक्ट में निवेश बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपी अदाणी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष के दौरान अलग-अलग कारोबारी क्षेत्रों में 80000 करोड़ रुपये का निवेश करने का प्लान बनाया है। यह जानकारी अदाणी एंटरप्राइजेज में डिप्टी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सौरभ शाह ने एनालिस्ट कॉल में दी। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी (Gautam Aadani) का अदाणी ग्रुप (Adani Group) लगातार नए प्रोजेक्ट में निवेश बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपी अदाणी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष के दौरान अलग-अलग कारोबारी क्षेत्रों में 80,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का प्लान बनाया है। यह जानकारी अदाणी एंटरप्राइजेज में डिप्टी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सौरभ शाह ने एक एनालिस्ट कॉल में दी।

रिन्यूएबल एनर्जी और एयरपोर्ट पर बड़ा खर्च

अदाणी एंटरप्राइजेज ने रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर एयरपोर्ट और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में अपना सिक्का जमा रखा है। सौरभ शाह ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 80,000 करोड़ रुपये के कैपिटल एक्सपेंडिचर यानी पूंजीगत व्यय का प्लान बनाया है। इसका एक बड़ा हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी और एयरपोर्ट बिजनेस को बढ़ाने पर खर्च होगा।

उन्होंने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी और एयरपोर्ट सेगमेंट में करीब 50,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय होगा। इस ग्रुप की अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (ANIL) सोलर मॉड्यूल बनाती है। यह सूर्य के प्रकाश को बिजली और ग्रीन हाइड्रोजन में बदलता है। सौरभ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे की वजह से हम सड़क क्षेत्र में भी 12,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। बाकी रकम कारोबारी क्षेत्रों में खर्च की जाएगी।

सात एयरपोर्ट चलाता है अदाणी एंटरप्राइजेज

अदाणी एंटरप्राइजेज फिलहाल देश में 7 एयरपोर्ट को ऑपरेट करता है। यह नवी मुंबई में एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बना रहा है। कंपनी को उम्मीद है कि यह मौजूदा वित्त वर्ष के आखिर तक ऑपरेशनल हो जाएगा। सौरभ ने कहा कि नए हवाई अड्डे के जुड़ने से यात्री यातायात में भारी उछाल आने की संभावना है। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर (adani group share price) शुक्रवार (10 मई) को 1.37 फीसदी के उछाल के साथ 2,803.90 रुपये पर बंद हुए थे। इसने पिछले 6 महीने में करीब 27 फीसदी का रिटर्न दिया है।

लोकसभा चुनाव: फलौदी सट्टा बाजार नहीं दिखा रहा 400 पार, भाजपा की माधवी लता-ओवैसी पर भारी

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। लोकसभा चुनाव का महाभारत,2024 का चौथे चरण का मतदान 13 मई सोमवार को है। इस फेज में 10 राज्यों की 96 सीटों पर वोट डाले जाएगें। लोकसभा चुनाव समेत सभी चुनावों में फलौदी सट्टा बाजार के भावों से चुनावों की नब्ज टटोली जाती है। इस बार के चुनाव में फ़ौलादी सट्टा बाजार भाव काफी नीचे-ऊपर हो रहा है।अब तक तीन चरणों में लोकसभा की आधी से ज्यादा सीटों पर वोट डाले जा चुके है। देश में तीसरी बार मोदी सरकार? के साथ अबकी बार 400 पार ? के नारे की राजस्थान के फलौदी सट्टा बाजार ने हवा निकाल दी है। भाजपा के दावे के उलट सटीक अनुमान के लिए पहचान बना चुका राजस्थान का फलौदी सट्टा बाजार इससे आधा ही इत्तेफाक रखता है। अभी तक के चुनावी चरण की फौलादी सट्टा बाजारी में भाजपा की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है।अब तक का अनुमान लगाया जा रहा है कि भाजपा को 300 सीट भी आसानी से नहीं मिलने जा रही है। दरअसल देश में लोकसभा की कुल 543 सीटें है।तीन चरणों में 283 सीटो पर वोटिंग पूरी हो चुकी है।अब तक के मतदान के आधार पर फलौदी सट्टा बाजार का अनुमान है कि भाजपा 296-300 सीट जीत सकती है।जबकि एनडीए को मिलाकर यह आंकडा 329-332 पहुंच सकता है। हैरानी की बात है कि 13 मई को होने वाले चौथे चरण के मतदान से पहले फलौदी सट्टा बाजार के सटोरिये कांग्रेस को 58 से 62 सीटें दे रहे हैं। जबकि दूसरे चरण के मतदान के बाद तक फलौदी सट्टा बाजार भाजपा को 307से 310 सीटें दे रहे थे। मगर कई जगहों के कम मतदान को सत्ता विरोधी लहर के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में फलौदी सट्टा बाजार 300 से कम सीटों का अनुमान लगा रहा है। फलौदी सट्टा बाजार सटोरियों के मुताबिक भाजपा को राज्यवार अनुमानों में गुजरात-26,मध्यप्रदेश-27-28,राजस्थान 18-20,आओडिसा-11-12,पंजाब-2-3 तेलंगाना-5-6,हिमाचल-4,पश्चिम बंगाल-20-22,छत्तीसगढ-10-11,उत्तराखंड-5,दिल्ली-5-6, हरियाणा- 5-6,उत्तर प्रदेश 64-65,झारखंड-10-11,तमिलनाडु में- 3-4,सीटें भाजपा की झोली में डाल रहा है। लेकिन ताज्जुब कि बात है कि फलौदी सट्टा बाजार सटोरिये ने हैदराबाद संसदीय क्षेत्र असदुदीन ओवैसी एवं भाजपा की माधवी लता की टक्कर में माधवी लता जीत दर्ज कर सकती है।

मातृ दिवस पर महिलाओं ने मचाई धूम

मां एक शब्द ही नहीं बल्कि पूरा का पूरा संसार ही मां के चरणों में है डॉ ह्रदयेश कुमार

मातृ दिवस एक असाधारण प्रेम का जश्न मनाने का समय है जिसकी कोई सीमा नहीं। मां का प्यार- यह दिन हमारी पहचान को आकार देने, हमारे सपनों को पोषित करने तथा लचीलेपन के मूल्यों को स्थापित करने में माता के गहन प्रभाव को दर्शाता है। बच्चों की खुशी के लिए मां अपना पूर्ण जीवन समर्पित कर देती है। मां बच्चों की पहली गुरु व दोस्त होती है। मां के इसी समर्पण के प्रति आभार प्रकट करने को मई के दूसरे रविवार के दिन यह मातृ दिवस मनाया जाता है। मां की अटूट भक्ति और निस्वार्थ प्रेम पारिवारिक जीवन की आधारशिला के रूप में कार्य करती हैं, संबंध बनाते हैं, जो कि कई पीढियां तक चलते रहते हैं। उन्ही संस्कारों को ध्यान में रखते हुए आज अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की महिलाओं के बीच धमाकेदार कार्यक्रम रखा जिसमें काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम की शुरुआत ओम ध्वनि व गायत्री मंत्र के साथ की गई। उसके बाद बहुत सी मनभावन एक्टिविटीज जैसे- पेपर ग्लास बैलेंसिंग ,लेमन रेस ,रैंप वॉक, हिंदी इंग्लिश मिक्स काउंटिंग मस्ती के साथ अनेको कार्यक्रम किए गए। कई बच्चों ने भी मातृ दिवस पर कविताएं सुनाई ।सभी बच्चों और महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में चाय नाश्ता स्वीट डिश कोल्ड ड्रिंक आदि के साथ पार्टी इंजॉय किया गया। बच्चों के हर दर्द तकलीफ में मां साथ देती है, डांट लगाती है, कभी मुस्कुराती है, उदास होने पर भी हंसती है, मां रूठ कर भी प्यार जताती है, अलग ही मानवता की16 कलाओं से परिपूर्ण मां के रूप को अनेकों प्रकार के नृत्य गायन व भारतीय संस्कृति का संरक्षण संवर्धन हेतु साड़ियां पहनकर विभिन्न रूपों में बहुत ही खुशनुमा माहौल बनाकर आनंद उठाया। इस कार्यक्रम में सेव वाटर, सेव ट्रीज ,सेव पोल्यूशन ,प्लास्टिक मुक्ति आदि के बारे में भी बहुत कुछ समझाया गया अंत में सब बहुत खुशी के साथ अपने-अपने घर वापस गए। ऐसा था आज का दिन सभी को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

पिछले 5 सालो में भारत देश का व्यापार किस देश के साथ सबसे अधिक हुआ जो इससे पहले यूएस के साथ होता था

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। यह सच है की आज की तारीख में भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ है और दुनिया के तमाम देशों के साथ इसका कारोबार बढ़ रहा है। व्यापारिक साझेदारी के मामले में अब तक यूएस देश का सबसे बड़ा पार्टनर रहा है। लेकिन वित्त वर्ष 2023-24 में तस्वीर एकदम बदल गई है। बीते साल अमेरिका नहीं, बल्कि ड्रैगन चाइना भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर बना। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई के मुताबिक दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ है, जबकि अमेरिका इस मामले में नंबर दो पर है. भारत का चीन को निर्यात 8% से ज्यादा उछला जीटीआरआई द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में भारत और चीन के बीच आयात-निर्यात 118.4 अरब डॉलर का रहा है. इसमें पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत का चीन को निर्यात सालाना आधार पर 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। चीन को निर्यात किए जाने वाले सामानों की लिस्ट पर गौर करें तो इसमें सबसे ज्यादा लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम शामिल रहे. चाइना से भारत ने क्या-क्या खरीदा? रिपोर्ट के मुताबिक चीन की ओर से भारत को किए गए आयात की बात करें, तो इसमें भी इजाफा हुआ है. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत द्वारा चीन से किए गए सामनों का आयात 3.24 फीसदी बढ़ा है और ये 101.7 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है. चीन से भारत में आने वाले सामानों में प्रमुख तौर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान, न्यूक्लियर रिएक्टर्स, बॉयलर, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक का सामान, फर्टिलाइजर, गाड़ियों से जुड़ा सामान, केमिकल प्रोडक्ट्स, आयरन एंड स्टील, आयरन एंड स्टील का सामान और एलुमिनियम शामिल रहा। अमेरिका से व्यापार में इतनी गिरावट आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई के डेटा के मुताबिक, जहां भारत और चीन के बीच कारोबार 118.4 अरब डॉलर का रहा है, तो वहीं 2023-24 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर का रहा है और इस आंकड़े के साथ अमेरिका पहले नंबर से खिसककर दूसरे पायदान पर आ गया है. वित्त वर्ष 2020-21 हो या फिर वित्त वर्ष 2022-23 अमेरिका ही लगातार भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बना हुआ था। बीते वित्त वर्ष अमेरिका को भारत का निर्यात 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 77.5 अरब डॉलर पर आ गया जबकि आयात में लगभग 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और ये 40.1अरब डॉलर पर आ गया. बीते पांच साल में बदला व्यापार 2022-23 अमेरिका ही लगातार भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बना हुआ था. बीते वित्त वर्ष अमेरिका को भारत का निर्यात 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 77.5 अरब डॉलर पर आ गया, जबकि आयात में लगभग 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और ये 40.1 अरब डॉलर पर आ गया. बीते पांच साल में बदला व्यापार जीटीआरआई के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2019 से 2024 के दौरान भारत के टॉप-15 ट्रेड पार्टनर्स के बीच हुए व्यापार में खासा बदलाव देखने को मिला है। इसका प्रभाव आयात और निर्यात दोनों के आंकड़ों पर देखने को मिला है। यहीं नहीं ट्रेड डिफिसिट या व्यापार घाटे और ट्रेड सरप्लस की स्थिति में भी चेंज देखने को मिला हैं। इन पांच सालों की अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। वहीं चीन से आयात बढ़कर देखी गई जो 16.75 अरब डॉलर से घटकर 16.66 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से उछलकर 101.75 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. जीटीआरआइ फाउंडर अजय श्रीवास्तव का कहना है **आयात में इस वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ गया जो 2018-19 के 53.57 अरब डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया है।**

नहीं था निकलने का रास्ता, आग देख अटकी सांसें; फैक्ट्री की पहली मंजिल से कूदे 9 श्रमिक

दमकल विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि तीन मंजिला इस फैक्ट्री में आग भूतल स्थित मुख्य गेट के पास से फैली। देखते ही देखते आग पूरे फैक्ट्री में फैल गई। इस दौरान फैक्ट्री में मौजूद नौ लोग घायल हो गए। 18 वर्षीय कुलदीप 25 वर्षीय बब्लू 20 वर्षीय मस्तराम गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें महर्षि वाल्मीकि अस्पताल से सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित रबर की शीट बनाने वाली एक फैक्ट्री में रविवार दोपहर तीन बजे भीषण आग लग गई। आग मुख्य गेट के पास लगने के कारण अंदर फंसे नौ श्रमिक बाहर नहीं निकल सकें। जान बचाने के लिए सभी ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे सभी श्रमिक घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले घायलों को पूठखुर्द स्थित महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर रूप से तीन घायलों को सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। दमकल की 25 गाड़ियों ने करीब छह घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर घायलों से पूछताछ कर रही है।

देर रात तक कूलिंग का काम जारी

दमकल विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आग की सूचना रविवार की दोपहर तीन बजे मिली। पहले दस दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। लेकिन आग बड़ी होने के कारण एक के बाद 25 दमकल की गाड़ियों को भेजा गया। करीब 70 दमकलकर्मियों ने रात नौ बजे तक आग पर काबू पा लिया। देर रात तक कूलिंग का काम जारी रहा।

दमकल विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि तीन मंजिला इस फैक्ट्री में आग भूतल स्थित मुख्य गेट के पास से फैली। देखते ही देखते आग पूरे फैक्ट्री में फैल गई। इस दौरान फैक्ट्री में मौजूद नौ लोग घायल हो गए। 18 वर्षीय कुलदीप, 25 वर्षीय बब्लू, 20 वर्षीय मस्तराम गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें महर्षि वाल्मीकि अस्पताल से सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। वहीं, 40 वर्षीय सुरेश, 32 वर्षीय धनशक, 30 वर्षीय राकेश, 20 वर्षीय राजकुमार, 20 वर्षीय पंकज पाल, 48 वर्षीय संतोष का इलाज महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में चल रहा है।

किसी का सिर फुटा, तो किसी का टूटा पैर

प्रत्यक्षदर्शी प्रताप गौतम ने बताया कि जिस समय फैक्ट्री में आग लगी। उसके बाद उन्होंने एक के बाद एक करीब नौ लोगों को फैक्ट्री की पहली मंजिल से कूदते देखा। इस दौरान कई लोग चल नहीं पा रहे थे। कई के सिर में गंभीर चोटें भी लगी है। आनन-फानन में लोगों व पुलिस के सहयोग से सभी को अस्पताल भेजा गया।

मोदी सरकार तड़ीपार :कोंग्रेस प्रबक्ता आलोक शर्मा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : पिछले 10 वर्षों से झूठे वादे कर लोगों को धोखा देने वाली मोदी सरकार के ओडिशा आकर एक बार फिर अपने लचर भाषण से ओडिशा की जनता को खुश करने की कोशिश की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है । आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अलॉय शर्मा ने मोदी के ओडिशा दौरे और विभिन्न राजनीतिक सभाओं में उनके भाषणों को बेकार बताया और कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने जो वादे किये थे, उन्हें पूरा करने में वे शत प्रतिशत विफल रहे हैं ।उन्होंने बालागीर और बरगढ़ सभा में कहा ओडिशा सरकार को अक्षम और भ्रष्ट सरकार बताते हुए लेकिन चढ़खोल मे कहा नवीन पटनायक को देशभर में लोकप्रिय मुख्यमंत्री बताया ।

किसी भी राजनीतिक दल में देश के असल मुद्दों पर चुप्पी साधने वाले मौमोदी ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के साथ-साथ खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी वृद्धि और रिकॉर्ड बेरोजगारी पर एक शब्द भी नहीं कहा है. देश। जहां ओडिशा में बीजेडी सरकार के दौरान महिलाओं का उत्पीड़न और महिलाओं के खिलाफ हिंसा चरम पर पहुंच गई है, वहीं कर्नाटक के बीजेपी नेता ब्रजभूषण चरण सिंह, कुलदीप सिंह सेंगर, स्वामी चिनमंद्यान और प्रज्वोल्ला रेबना ने मोदी सरकार के संरक्षण में बलात्कारियों के बारे में अपना मुंह नहीं खोला है ।बीजेडी नेता केंद्रीय लापरवाही पर आवाज क्यों नहीं उठा रहे? ओडिशा को केंद्रीय अनुदान पर भाजपा नेताओं द्वारा दी जा रही भ्रामक जानकारी पर कटाक्ष करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि मोदी और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं को उचित चर्चा और विचार-विमर्श के बाद सार्वजनिक सभा में बोलना चाहिए । ओडिशा के नेता और केंद्रीय मंत्री ओडिशा को 18 लाख करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की बात कर रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री ने अपनी बेरहामपुर चुनावी सभा में कहा कि ओडिशा को 3 लाख करोड़ रुपये की सहायता राशि दी गयी है । नवीन बाबू का नाम लिए बिना मोदी की ओर से ओडिशा सरकार की आलोचना से दोनों पार्टियों के अंदरूनी रिश्तों को नुकसान पहुंचा है । देश में चुनाव आयोग मोदी सरकार ने लाठी की तरह इस्तेमाल कर रहा है ।

देश के चुनावों में वोटिंग प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग के आंकड़े और आंकड़े देश की जनता के मन में संदेह पैदा कर रहे हैं ।मतलब मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार ने राज्य में कुछ भ्रष्ट नेताओं को कमान सौंपी और उनके माध्यम से राज्य की संपत्ति लूटने, चुनावी बांड के माध्यम से भाजपा का खजाना बढ़ाने और ओडिशा के पूर्व आई.ए.एस. क्या ईडी और सीबीआई ने कभी किसी को नोटिस दिया, जबकि अधिकारी अपने लोगों को ओडिशा में सभी आवश्यक नौकरियां प्रदान कर रहे हैं? हम खास तौर पर मोदी से इस सवाल का जवाब चाहते हैं । बालेसोर ट्रेन दुर्घटना की सीबीआई जांच के आदेश के नतीजे के बारे में ओडिशा के लोगों को तुरंत सूचित करें। आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईसीसी मीडिया समन्वयक पंगम कुमार, ओपीसीसी प्रवक्ता प्रशांत शेतपथी और डॉ. देविशा भुया उपस्थित थे।

सावधान! सोशल मीडिया पर गलत जानकारी शेयर करने पर खानी पड़ेगी जेल की हवा, लग सकता है 5 लाख तक का जुर्माना

फेसबुक इंस्टाग्राम एक्स या वॉट्सऐप के माध्यम से चुनाव संबंधित कोई अफवाह या भड़काऊ ऑडियो या वीडियो संदेश आता है। इसके बाद या तो आप उस वॉट्सऐप ग्रुप को छोड़ सकते हैं या फिर उसे आगे साझा कर सकते हैं या लाइक और कमेंट कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो ऐसे में उस संदेश को लेकर आपकी जिम्मेदारी और जवाबदेही बराबर की होगी।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग ने इंटरनेट मीडिया पर फर्जी खबरों को लेकर सख्त हिदायत दे रखी है, इसलिए किसी भी संदेश या वीडियो संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें। ऐसा न होने पर हो सकता है कि आप भी फर्जी सूचना फैलाने वालों में शामिल हो जाए और सजा भी पाए।

फर्जी खबर फैलाने वालों पर पैनी नजर

जनता किसी की भी नेता या पार्टी की आलोचना को स्वतंत्र हैं, लेकिन यह स्वतंत्रता गलत सूचना या अफवाहों को लेकर नहीं है। अधिकारियों को अधिकार दिया गया है कि वह आपत्तिजनक बयानों से जुड़ी पोस्ट हटाने के लिए संबंधित इंटरनेट मीडिया को आदेश कर सकते हैं।

किसकी, क्या होगी जवाबदेही, कौन होगा जिम्मेदार

फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स या वॉट्सऐप के माध्यम से चुनाव संबंधित कोई अफवाह या भड़काऊ ऑडियो या वीडियो संदेश आता है। इसके बाद या तो आप उस वॉट्सऐप ग्रुप को छोड़ सकते हैं, या फिर उसे आगे साझा कर सकते हैं या लाइक और कमेंट कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो ऐसे में उस संदेश को लेकर आपकी जिम्मेदारी और जवाबदेही बराबर की होगी।

यदि आपने जो संदेश या वीडियो संदेश आगे भेजा है वह भड़काऊ है, गैरकानूनी है, किसी भी तरह से गलत है और धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला है, तो ऐसे में आपके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसलिए किसी भी संदेश के मिलने पर उसे संयम और सावधानी के साथ पूरा जांच कर आगे भेजें।

वॉट्सऐप एडमिन और सदस्यों की जिम्मेदारी

वॉट्सऐप ने ग्रुप के एडमिन को कई अधिकार दिए हैं। यदि चुनावी माहौल में किसी ग्रुप में अफवाह भरे संदेश प्रेषित किए जा रहे हैं, तो एडिमन को चुनावी माहौल में जनहित में लोगों के मैसेज भेजने के अधिकार को अस्थायी तौर पर होल्ड करना होगा। वहीं यदि कोई ग्रुप सदस्य सामाजिक माहौल को बिगाड़ने वाले और उन्माद फैलाने वाले किसी संदेश को आगे भेजता है या कुछ आपत्तिजनक प्रतिक्रिया देता है तो उसकी भी जवाबदेही तय है।

दिल्ली पुलिस से कैसे कर सकते हैं शिकायत

दिल्ली पुलिस द्वारा संयुक्त पुलिस आयुक्त बी.एस. जायसवाल को लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान एसएमएस या विभिन्न इंटरनेट मीडिया मंचों के जरिए आपत्तिजनक संदेश फैलाने संबंधी मामलों से निपटने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ऐसे संदेशों की शिकायत करने के लिए पुलिस ने एक नंबर 8130099025' और एक ई-मेल nodalsmmc.election24 @ delhipolice.gov.in भी जारी किया है। इन दोनों पर ही लोग इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री संबंधित मामलों की शिकायत कर सकते हैं।

इलेक्शन मोड में I4सी ने भी कसी कमर

देशभर में चुनावी माहौल को लेकर होम मिनिस्ट्री की I4सी (इंडियन साइबर क्राइम कंट्रोल एंड को-आर्डिनेशन) यूनिट भी इस दिशा में एक्टिव है। I4सी इलेक्शन के लिए फर्जी प्रसारित संदेशों और डीप फेक को इंटरनेट मीडिया से हटाने के लिए साइबर एक्सपर्ट की एक विशिष्ट टीम बनाई है। इनकी जिम्मेदारी है कि इंटरनेट मीडिया पर कोई गलत कंटेंट डालेगा, तो उसे सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करके हटवा दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा और शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

इंटरनेट मीडिया पर फर्जी खबर फैलाने पर क्या है सजा

इंटरनेट मीडिया पर फर्जी खबरें प्रसारित करने पर आइटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया जाता है। मुख्यतः किसी के खिलाफ दुर्भावना से अफवाहें फैलाना, नफरत फैलाना या बदनाम करना और सांप्रदायिकता फैलाने के मामले में आइटी (संशोधन) कानून 2009 की धारा 66 (ए) के तहत तीन साल तक की जेल और/या जुर्माने का प्रावधान है।

सजा का प्रावधान

पहले अपराध पर पांच साल की जेल और/या दस लाख रुपये तक जुर्माना। आइटी एक्ट की धारा 67 के तहत यदि कोई पहली बार इंटरनेट मीडिया पर ऐसा करने का दोषी पाया जाता है, तो उसे तीन साल की जेल हो सकती है और साथ ही 5 लाख रुपये का जुर्माना भी देना पड़ सकता है।

67ए के तहत यदि कोई दोबारा ऐसा करते हुए पाया तो उसे पांच साल तक की सजा और 10 लाख तक जुमार्ना अदा करना पड सकता है।

फर्जी संदेशों की किस तरह करें पहचान

वाट्सऐप पर मिले किसी भी संदेश को बिना सत्यापन किए कभी भी आगे नहीं भेजे। अगर आपकों किसी भी संदेश को लेकर शंका है,तो उसके संबंध में इंटरनेट पर गूगल करें,समाचार साइटों पर उससे संबंधित समाचारों को पढे या अन्य विश्वासनीय वेबसाइटों पर उसके सच होने की पुष्टि कर लें।

यदि आपको किसी मोबाइल नंबर से वॉट्सऐप पर कोई संदेश मिला और उसे सत्यापित करने पर वह आपको फर्जी मिलता है तो उस संदेश और नंबर की रिपोर्ट करें। आप संदेश भेजने वाले विरुद्ध भी रिपोर्ट कर सकते हैं। इससे फर्जी खबरों पर लगात लगेगी। खबर की सत्यता के लिए आप विश्वासन्यूज.कॉम पर जाकर भी चेक कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023